प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-142 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 18 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न का शोर बना शहर के लिए मुसीबत, कार्रवाई बेअसर

भारी वाहनों के शोर से राहगीर और मरीज परेशान

नियमों की अनदेखी जिम्मेदार विभागों पर उठे सवाल

यूनिक समय, मथुरा। जिले की सड़कों पर प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न का शोर लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन इसे रोकने के लिए जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई प्रभावी नजर नहीं आ रही। बसों, ट्रकों और अन्य भारी वाहनों में खुलेआम प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ने के साथ राहगीरों, मरीजों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

कृष्णानगर, धौलीप्याऊ वृंदावन, गोवर्धन मार्ग, बाद–बरेली राजमार्ग, राया और राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाले भारी वाहन दिनभर तेज आवाज वाले हॉर्न बजाते देखे जा सकते हैं। जाम की स्थिति में चालक लगातार हॉर्न बजाते रहते हैं, जिससे आसपास का वातावरण शोरगुल से भर जाता है। साइलेंस जोन में भी नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। वहीं, कुछ जनप्रतिनिधि तो शहर में आने-जाने के दौरान हूटर बजवाते नजर आते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद केवल औपचारिक जांच अभियान चलाए जाते हैं। नियमित कार्रवाई नहीं होने से वाहन चालकों में किसी प्रकार का डर नहीं है। निजी बसों और ट्रकों के साथ कुछ रोडवेज बसों में भी प्रेशर हॉर्न लगे होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उप संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश राजपूत ने बताया कि प्रेशर हॉर्न पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। ऐसे वाहन मिलने पर उनके खिलाफ चालान और नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। हालांकि लोगों का मानना है कि सख्त और नियमित अभियान चलाए बिना इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं है।

सिर दर्द और तनाव बढ़ाता है प्रेशर हॉर्न

ईएनटी विशेषज्ञ डा. अमिताभ पांडेय ने बताया कि मनुष्य के कान अधिकतम 70 डेसीबल का शोर बर्दाश्त कर सकते हैं। जबकि, 80 डेसीबल की ध्वनि सुनने की क्षमता को प्रभावित करती है। वहीं, प्रेशर हॉर्न 160 डेसीबल तक का प्रेशर उत्पन्न करते हैं, जो काफी खतरनाक है। सामान्य हार्न की ध्वनि 40– 50 डेसीबल ही होनी चाहिए।

मानकों का कौन कराएगा पालन

मानकों के अनुसार, दिन के समय 45 डेसीबल, जबकि रात के समय 35 डेसीबल तक की ध्वनि का मानक निर्धारित किया गया है। बताया कि ध्वनि प्रदूषण के कारण तनाव, सिरदर्द, सुनने की क्षमता पर असर, उच्च रक्तचाप और ह्रदय रोगियों को परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं,यूपी सरकार ने भी सीमित हार्न बजाने का शासनादेश भी बीते दिनों जारी किया है। खुद मुख्यमंत्री ने इसका पालन कराने को निर्देश भी जारी किए थे।

वृंदावन में ट्रैफिक व्यवस्था पर प्रशासन सख्त

2700 पंजीकृत ई–रिक्शा ही चलेंगे,टैंपो प्रवेश पर रोक

यूनिक समय, वृंदावन। धार्मिक नगरी में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित यातायात को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम सभागार में जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त बैठक में निर्णय लिया गया कि अब शहर में केवल 2700 पंजीकृत ई–रिक्शा ही संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा वृंदावन नगर सीमा में टैंपो के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी।

बैठक में अधिकारियों ने कहा कि वृंदावन की संकरी गलियों और बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए केवल अधिकृत और पंजीकृत ई–रिक्शाओं का संचालन ही किया जाएगा। बिना अनुमति, निर्धारित रूट के विपरीत या अवैध रूप से शहर में टैंपो अथवा अन्य वाहन चलाते पाए जाने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शनिवार को वाहनों की वजह से इस्कॉन मंदिर के समीप जाम में फंसे वाहन।

अधिकारियों ने कहा कि इस व्यवस्था श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को जाम से निजात दिलाने की कोशिश की जाएगी। बैठक में अपर नगर आयुक्त सी.पी. पाठक, एसपी यातायात, सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा, सीओ यातायात संदीप कुमार, इंस्पेक्टर क्राइम धर्मेंद्र कुमार, टीएसआई शौर्य कुमार सहित प्रशासन और पुलिस विभाग के कई अधिकारी साथ ही वृंदावन सिविल सोसाइटी की ओर से अभय वशिष्ठ, पवन ठाकुर, सोहन सिंह सिसौदिया, बॉबी अग्रवाल, श्याम सुंदर गौतम, अमित कुमार, विष्णु शर्मा, जितेंद्र सिंह राणा, विवेक आचार्य और गोविंद शर्मा सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

जाम से राहत दिलाने को लिया फैसला

छात्र का शारीरिक दंड देने के आरोप में शिक्षक निलंबित

परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर का मामला

यूनिक समय, वृंदावन। गौशाला नगर स्थित परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र को कथित रुप से शारीरिक दंड दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामला पुलिस तक पहुंचने के कारण आरोपी शिक्षक को निलंबित कर दिया है।

बताते हैं कि पीड़ित एक छात्र के पिता मुकेश कुमार सारस्वत ने मारपीट के आरोप की तहरीर कोतवाली पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की। मामले के तूल पकड़े जाने पर प्रबंधक शिवेंद्र गौतम ने शिक्षक सत्येंद्र कुमार द्विवेदी को निलंबित कर दिया, साथ ही जांच कमेटी का गठन कर दिया है। अब जांच कमेटी पर सभी की निगाहें टिकी है।

प्रबंधक की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि 17 जुलाई को छात्रों को शारीरिक दंड देने का प्रकरण प्रकाश में आया था।

इस प्रकरण में निलंबित किए शिक्षक को आदेश दिया गया है कि निलंबन अवधि में प्रधानाचार्य के सामने उपस्थिति दर्ज कराएंगे। विद्यालय के किसी भी कक्षा, कक्ष,स्टाफ रुम औरखेल के मैदान अथवा अन्य स्थान पर जाने की अनुमति नहीं होगी। जांच समिति की कार्रवाई पूर्ण होने तक सहयोग करेंगे।

बड़े शहरों में बढ़ा किराए का बोझ

कमाई किराए में खत्म, बचत का धुंधला होता सपना

यूनिक समय, नई दिल्ली। महानगरों में किराए का घर अब सिर्फ रहने की जरूरत नहीं, बल्कि जेब पर भारी बोझ बनता जा रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में बड़ी संख्या में लोग अपनी मासिक आय का 30 से 40 प्रतिशत तक हिस्सा किराए पर खर्च कर रहे हैं, जबकि वित्तीय विशेषज्ञ आय का केवल 15–20 प्रतिशत किराए में खर्च करना सुरक्षित मानते हैं। इससे अधिक खर्च होने पर बचत, निवेश और अन्य जरूरी जरूरतें प्रभावित होने लगती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई की स्थिति सबसे चुनौतीपूर्ण है। यहां लगभग 40 प्रतिशत किराएदार अपनी आय का 40 प्रतिशत से अधिक किराए पर खर्च कर रहे हैं, जबकि हर चौथा किराएदार अपनी आधी से ज्यादा कमाई रेंट में दे रहा है। 2021 के बाद मुंबई में ईएमआई–रेंट अनुपात 2.03 से बढ़कर 2.19 हो गया है। वहीं हैदराबाद में यह 2.21 से 2.47 और बेंगलुरु में 2.07 से 2.38 पहुंच गया है। यानी घर खरीदना अब किराए की तुलना में पहले से कहीं ज्यादा महंगा हो चुका है। देश के प्रमुख शहरों–मुंबई–एमएमआर, बेंगलुरु, दिल्ली–एनसीआर, पुणे, हैदराबाद और चेन्नई–में किराएदारों के लगभग 1.26 लाख करोड़ रुपये सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में मकान मालिकों के पास फंसे हैं। इनमें मुंबई–एमएमआर में करीब 41,156 करोड़ रुपये, बेंगलुरु में 31,628 करोड़, दिल्ली–एनसीआर में 24,054 करोड़, चेन्नई में 17,346 करोड़, हैदराबाद में 6,843 करोड़ और पुणे में 5,015 करोड़ जमा हैं।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि दिल्ली–एनसीआर में 58 प्रतिशत किराएदारों को लीज खत्म होने पर पूरा सिक्योरिटी डिपॉजिट नहीं मिल पाया, जबकि 30 प्रतिशत मामलों में कटौती की गई और 12 प्रतिशत लोगों को विवाद का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, बेंगलुरु में 75 प्रतिशत किराएदार ऊंचे डिपॉजिट के कारण अपनी पसंद का घर नहीं ले सके। युवा वर्ग सबसे अधिक घर बदल रहा है। 18 से 24 वर्ष आयु के लगभग 30 प्रतिशत किराएदार हर छह से 12 महीने में नया घर तलाश लेते हैं, जबकि 55 वर्ष से अधिक उम्र के 62 प्रतिशत लोग पांच साल या उससे अधिक समय तक एक ही घर में रहते हैं। रिपोर्ट में मकान मालिकों के लिए भी दिलचस्प निष्कर्ष सामने आया है। 1–बीएचके और स्टूडियो अपार्टमेंट बड़े घरों की तुलना में अधिक रेंटल रिटर्न दे रहे हैं। बेंगलुरु में इनका रेंटल यील्ड 4.5 प्रतिशत और हैदराबाद में 4.6प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो बड़े फ्लैटों के मुकाबले बेहतर निवेश माना जा रहा है।

सिक्योरिटी डिपॉजिट में फंसी भारी रकम

जल संरक्षण का करें संकल्प इसका नहीं कोई विकल्प

जिले में 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह को जुटेंगे विभाग, होंगे विविध आयोजन

ग्राम, क्षेत्र और जिला पंचायत के अलावा सरकारी कार्यालय भी करेंगे सहभागिता

यूनिक समय, मथुरा। जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं कोई विकल्प। थीम पर इस बार भूजल सप्ताह मनाया जा रहा है। ग्राम, क्षेत्र पंचायत से लेकर जिला पंचायत और नगरीय निकाय के अलावा सरकारी विभाग इस अभियान में सहभागिता कर रहे हैं। 22 जुलाई तक भूल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां ग्राम से लेकर जिला स्तर तक आयोजित की जाएगी। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने संबंधित विभागों को कार्य योजना जारी करते हुए भूगर्भ जल से संबंधित कार्यक्रम करने के निर्देश दिए हैं।

लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियेता बलवीर सिंह ने बताया कि जिले में भूजल सप्ताह की शुरुआत 17 जुलाई से हो गई है। पहले दिन ग्राम पंचायत स्तर पर चिन्हित जल निकाय वाटर बॉडी के पुनरुद्धार के लिए श्रमदान किया गया, जन जागरूकता रैली निकाली गई। वर्षा जल संचयन स्थलों की पहचान के अलावा जिले में सरकारी भवनों के परिसर में वर्षा जल संग्रह के लिए रिचार्ज फिट निर्मित करने का काम भी कराया गया। उन्होंने बताया कि आज विकासखंड स्तर पर विभिन्न विभागों की हर घर जल योजना के अंतर्गत कार्यक्रम किए गए, कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, डिप सिंचाई पद्धति के प्रदर्शन का भी काम हुआ, जबकि जल संरक्षण को शपथ ली गई। सहायक अभियंता के अनुसार, रविवार और सोमवार को निकायों में कार्यशाला का आयोजन होगा, विद्यालयों में पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जल गुणवत्ता परीक्षण प्रदर्शन का भी कार्यक्रम होगा। इसके अलावा वर्षा जल संचयन स्थलों की पहचान की जाएगी, जबकि भूजल सप्ताह के अंतिम दिन 22 जुलाई को जिला स्तर पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समन्वय बैठक होगी, जल संचयन से जुड़े कार्य किए जाएंगे और जल संरक्षण की शपथ ली जाएगी। उन्होंने बताया कि भूजल को सुधारने के लिए वर्षा जल का संग्रहण सबसे जरूरी है। अभियान के लिए सीडीओ पूजा गुप्ता को जनपद का नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि उनको सहायक नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। सीडीओ ने संबंधित विभागों को जल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियां करने और फोटो उपलब्ध कराने को कहा है।

जल संरक्षण की शपथ दिलाते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, साथ हैं एससपी श्लोक कुमार आदि।

डीएम और एसएसपी ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

लोगों से जल बचाने का भी किया आह्वान

यूनिक समय, मथुरा। जल संरक्षण सप्ताह के तहत डीएम और एसएसपी ने जल संरक्षण को लेकर कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इसके साथ ही जल को बचाने की बात कही।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने 17 जुलाई से शुरू हुए जल संरक्षण सप्ताह के दूसरे दिन कर्मचारियों को जल संरक्षण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जल ही जीवन है। इसलिए जल को बचाने के लिए हर व्यक्ति को अपनी ओर से प्रयास किए जाने चाहिए। बिना जल के पृथ्वी पर रहना संभव नहीं है। जल संरक्षण के लिए एसएसपी ने सामूहिक शपथ लेते हुए जल को सहेजने और उसका विवेकपूर्ण इस्तेमाल करने का संकल्प लिया गया। एसएसपी ने जनमानस से भी जल संरक्षण के साथ-साथ वर्षा जल संचयन और प्राकृतिक जल संसाधनों को बचाने के लिए भी अपील की गई।

चिकित्सक पुत्र प्रागित्य को मिली नीट यूजी में सफलता

यूनिक समय, मथुरा। नीट यूजी में में मथुरा के हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. निर्विल्प अग्रवाल और डा. भावना गुप्ता के पुत्र प्रागित्य अग्रवाल की नीट परीक्षा परिणाम में ऑल इंडिया रैंक 3643 आई है। अच्छी रैंक आने पर चिकित्सक पुत्र को अच्छा मेडिकल कॉलेज मिलेगा। इसमें उनके माता-पिता का भी योगदान रहा। परिवार में खुशी का माहौल है। आईएमए अध्यक्ष डा. बीएस गोयल, सचिव डा. ललित वार्ष्णेय, वरिष्ठ चिकित्सक डा. एसके वर्मन आदि के अलावा आकाश सिम्स के डायरेक्टर डा.गौरव भारद्वाज ने चिकित्सक और उनके पुत्र को इस सफलता पर बधाई दी है।

सेविका को पांच साल कैद की सजा और 25 हजार का जुर्माना

जानकी बाई इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य को धक्का मारकर किया था घायल

कार्यालय में घुसकर फाड़ा था रिकार्ड

यूनिक समय, मथुरा। अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या चार अनुराग शर्मा ने जानकी बाई इंटर कालेज की प्रधानाचार्य को धक्का देकर चोट पहुंचाने और कार्यालय में रिकार्ड को खुर्द-बुर्द करने के आरोप में विद्यालय की सेविका को पांच साल की सजा और पच्चीस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कृष्णकांत ने बताया कि अनीता गौतम प्रधानाचार्य जानकी बाई इंटर कॉलेज मानिक चौक 101 ए कृष्णापुरी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि 10 मई 2019 को प्रातः आठ बजे अपने ऑफिस में लाइट न होने के कारण बाहर विद्यालय परिसर में महत्वपूर्ण कार्य कर रह रही थी। इसी दौरान विद्यालय से सेवा समाप्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी निवासी कोयाला वाली गली सुधा देवी दो बदमाश किस्म के लोगों को लेकर आई और उसे जानसे मारने के इरादे से धक्का दे दिया, जिससे वह सीढ़ियों पर रखी टेबिल से टकरा कर गंभीर घायल हो गई, आरोपित ने ऑफिस में घुसकर विद्यालय से संबंधित रिकार्ड को खुर्द-बुर्द कर दिया। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए चली गई। इस मामले में पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश न्यायालय संख्या चार अनुराग शर्मा के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सेविका को उक्त सजा से दंडित किया है।

मुख्यमंत्री सेवा बेपटरी, गांवों तक नहीं पहुंच रहीं बसें

तय रूट छोड़ रहे संचालक ग्रामीण परेशान

नियम तोड़ने पर तो बस सेवा होगी रदद: एआरएम

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीणों को शहर तक सस्ती और आसान यात्रा की सुविधा देने को शुरू की गई मुख्यमंत्री बस सेवा जिले में दम तोड़ने लगी है। जिन बसों से गांव के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद थी, वही बसें अब तय रूट छोड़कर चल रही हैं। कई बसें निर्धारित गांवों में रुक ही नहीं रही हैं, जिससे रोज शहर आने-जाने वाले नौकरीपेशा, छात्र, व्यापारी और मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

मुख्यमंत्री बस सेवा के संचालन के लिए डीएम की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी। इस समिति ने जिले के अलग-अलग ग्रामीण रूटों पर 29 बसें चलाने का प्रस्ताव मंजूर किया था। योजना का मकसद था कि गांवों के लोग समय पर शहर पहुंच सकें और उन्हें निजी वाहनों पर निर्भर न रहना पड़े। लेकिन हकीकत में कई बस संचालक नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक कमल

किशोर आर्य ने बताया कि सभी बस स्वामियों को साफ निर्देश दिए गए थे कि बसें केवल तय रूट पर ही चलें और जिन गांवों को रूट में शामिल किया गया है, वहां हर हाल में बस रोकी जाए। इससे सुबह गांव से निकलने वाले लोग समय पर अपने दफ्तर, स्कूल, कॉलेज और अस्पताल पहुंच सकेंगे।

उन्होंने बताया कि लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कुछ बस संचालक गांवों में बस नहीं रोक रहे हैं। बसें सीधे मुख्यालय तक चली जाती हैं, जिससे ग्रामीणों को या तो दूसरी सवारी करनी पड़ती है या फिर घंटों इंतजार करना पड़ता है। यह मुख्यमंत्री बस सेवा के नियमों के खिलाफ है।

एआरएम ने कहा कि ऐसे बस संचालकों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। पूरे मामले की जानकारी डीएम और क्षेत्रीय प्रबंधक को भी भेज दी गई है। यदि इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं किया गया तो संबंधित बसों की मुख्यमंत्री बस सेवा की अनुमति रद कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री बस सेवा में यात्रियों से उतना ही किराया लिया जाएगा, जितना उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में तय है। इससे अधिक किराया वसूलने की अनुमति किसी भी बस संचालक को नहीं है।

युवक की संदिग्ध मौत में दस लोगों पर हत्या का मुकदमा

भाई ने जबरन जहर पिलाकर हत्या करने का लगाया आरोप

आठ नामजद समेत 10 लोगों पर प्राथमिकी पुलिस जांच में जुटी

मृतक गोवर्धन का फाइल फोटो।

यूनिक समय, मथुरा। मांट थाना क्षेत्र में राधारानी मंदिर के समीप सड़क किनारे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक के भाई के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने आठ नामजद समेत 10 लोगों के खिलाफ हत्या और साजिश की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम पीरी निवासी गोवर्धन उर्फ ललित पुत्र रामपाल सिंह, शुक्रवार को राधारानी मंदिर के पास अचेतअवस्था में पड़ा मिला था। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और तत्काल अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। सूचना मिलने पर मांट थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक ने मरने से पहले लिए कई नाम

परिजनों का दावा है कि मरने से पहले गोवर्धन ने मथुरा के अस्पताल में उसने कई लोगों के नाम लिए थे, जिसका वीडियो उनके पास है। गुजरात से चलने से पहले भी उसने एक वीडियो बनाया था, जिसमें वह लेटी अवस्था में कई लोगों के नाम ले रहा था। उसका कहना था कि यह लोग बुला रहे हैं, उसके साथ अनहोनी हो सकती है।

मृतक के भाई गिरधारी ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि गांव के कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते साजिश रची। उनके अनुसार, आरोपियों ने ललित को गुजरात से बुधवार को गांव बुलाया और उसी दिन से वह उनके साथ था। आरोप है कि इसी दौरान उसे जबरन जहरीला पदार्थ पिलाया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने विनोद, पप्पू, उदयवीर उर्फ कलुआ, मंशो, भूरा, रनवीर और विजयपाल सहित आठ नामजद तथा दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या और आपराधिक साजिश का मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद मृतक के परिवार में शोक का माहौल है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है और उन्होंने सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार ने बताया कि मृतक के भाई के प्रार्थना पत्र पर आठ नामजद समेत अन्य लोगों के खिलाफ षड्यंत्र के तहत जबरन जहर पिलाकर हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, तभी सही वजह सामने आएगी।

नगर निगम मुख्यालय अब रहेगा हाईटेक निगरानी के साए में

भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

भूतेश्वर मुख्यालय में लगेगी अत्याधुनिक सीसीटीवी व्यवस्था, बढ़ेगी निगरानी

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने किया स्थलीय निरीक्षण दिए आवश्यक निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। स्मार्ट सिटी की अवधारणा को साकार करने और नगर निगम की सुरक्षा, प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने महत्वपूर्ण पहल की है। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने भूतेश्वर स्थित नगर निगम मुख्यालय का निरीक्षण कर पूरे परिसर को अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों की निगरानी प्रणाली से लैस करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने मुख्यालय की तीनों मंजिलों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीमित स्थानों पर लगे कैमरों के कारण पूरे परिसर की प्रभावी निगरानी संभव नहीं हो पा रही है। इसे देखते हुए भवन के सभी महत्वपूर्ण हिस्सों में आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा सके।

नई व्यवस्था के तहत नागरिक सुविधा केंद्रों, विभिन्न शाखा कार्यालयों, गलियारों, सीढ़ियों, पोर्च, भवन के प्रवेश और निकास द्वार, वाहन पार्किंग, बाहरी परिसर और आने–जाने वाले वाहनों की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जाएगी। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यालय का कोई भी महत्वपूर्ण हिस्सा कैमरों की निगरानी से बाहर नहीं रहना चाहिए।

सीसीटीवी प्रणाली का केंद्रीय मॉनिटरिंग कंट्रोल नगर आयुक्त कार्यालय में स्थापित किया जाएगा, जहां से पूरे परिसर की लाइव निगरानी की जाएगी। इस पहल से नगर निगम की कार्यप्रणाली अधिक व्यवस्थित होगी और नागरिकों को सुरक्षित, पारदर्शी और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

ककरेटिया फायरिंग कांड में दोनों पक्षों पर एफआईआर

दो हिस्ट्रीशीटरों गुटों के कई नामजद, अज्ञात आरोपी भी शामिल

फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र के गांव ककरेटिया में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर दो हिस्ट्रीशीटरों के बीच हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। मामले में कई नामजद और अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है।

पुलिस के अनुसार, ककरेटिया निवासी हिस्ट्रीशीटर पालेंद्र और गांव कारब निवासी हिस्ट्रीशीटर हरेंद्र सिंह के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है। वर्ष 2004 में हुई मारपीट की एक घटना के बाद हरेंद्र के पिता ने पालेंद्र और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। तभी से दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था। शुक्रवार को गांव ककरेटिया में दोनों हिस्ट्रीशीटर आमने–सामने आ गए। पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद दोनों ने अपने–अपने समर्थकों को मौके पर बुला लिया। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और दोनों ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। गोलियों की आवाज से पूरे गांव में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों में दुबक गए। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी महावन, थाना प्रभारी राया और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने मौके से हरेंद्र सिंह और उसके कुछ साथियों को हिरासत में ले लिया, जबकि हिस्ट्रीशीटर पालेंद्र और उसके समर्थक फरार हो गए। क्षेत्राधिकारी महावन ने बताया कि दोनों पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फरार नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। वहीं, घटना में शामिल अज्ञात लोगों की पहचान भी कराई जा रही है। पुलिस का कहना है कि किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ककरेटिया में फायरिंग करने वाले तीन गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। ककरेटिया में हुई फायरिंग के मामले में राया पुलिस ने अभियुक्त हरेंद्र निवासी कारब, सुमित और करन निवासी ककरेटिया को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

एक लाख लेकर आते व्यक्ति को बोलेरो सवारों ने लूटा

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर जांच की शुरू

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा क्षेत्र स्थित कुम्हेर अड्डे के समीप बीती रात ठेकेदार से भुगतान लेकर लौटे एक व्यक्ति को बोलेरो सवार बदमाशों ने मारपीट कर एक लाख रुपये लूट लिए। बताया गया कि पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना मगोर्रा के गांव नगला आशा निवासी राजेंद्र सिंह जेसीबी मशीन का भुगतान लेने के लिए ठेकेदार के पास गए थे। ठेकेदार से एक लाख रुपये ा भुगतान लेने के बाद वह रात करीब साढ़े दस बजे गांव के लिए लौट रहे थे। रास्ते में कुम्हेर अड्डे पर बोलेरो गाड़ी सवार होकर बछगांव निवासी सतीश, कलुआ और गजनू और उनके अन्य साथियों ने घेर कर मारपीट की और एक लाख रुपये छीनकर भाग गए। राजेंद्र सिंह ने अपने साथ हुई इस वारदात की शिकायत रात में मगोर्रा पुलिस से की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामल दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन बाइक चोर गिरफ्तार, पांच बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने अस्सीश्रर मंदिर/ पार्क के समीप से पुरानी रेलवे लाइन क्रासिंग के समीप से आलिया, मौहम्मद निवासी पुराना शहर बड़ा पीर कोतवाली धौलपुर और समीर निवासी बाग गली मटियागेट थाना गोविंदनगर को गिरफ्तार कर उनसे पांच चोरी की बाइक बरामद की हैं।

गोवर्धन ड्रेन से मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना फरह क्षेत्र स्थित गोवर्धन ड्रेन में एक शव पड़ा होने की जानकारी मिलने पर सीओ रिफाइनरी मौके पर पहुंच गए। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया।

गोवर्धन ड्रेन में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना फरह पुलिस को दी गई। थाने से सीओ रिफाइनरी को भी इस बारे में बताया गया। कुछ ही देर में थाना प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। सीओ रिफाइनरी भी वहां पहुंच गए। पुलिस ने ड्रेन के पानी से शव को बाहर निकलवाया। बताया गया कि मृतक की आयु करीब 55 साल है। पुलिस ने उसकी तलाशी की, लेकिन उसके पास से कोई भी ऐसी वस्तु बरामद नहीं हुई जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही उसके मौत के कारणों का पता लगने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग की स्वच्छता को कल जुटेंगे सैंकड़ों हाथ

यूनिक समय, वृंदावन। सुंदर- स्वच्छ ब्रज का सपना साकार करने और ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के उद्देश्य से कल, रविवार को प्रातः आठ बजे से 11 बजे तक वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित होगा। हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है थीम पर आधारित अभियान के अंतर्गत संपूर्ण परिक्रमा मार्ग को 11 सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र की जिम्मेदारी प्रशासनिक अधिकारियों और उज्वल ब्रज अभियान से जुड़े सदस्यों को सौंपी गई है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, पहला सेक्टर अटल्ला चुंगी से साक्षी आश्रम तक, जबकि अंतिम सेक्टर कैलादेवी से अटल्ला चुंगी तक

तय किया गया है। प्रत्येक सेक्टर में संबंधित अधिकारी स्वयं अभियान की निगरानी करेंगे और उनके साथ 15 से 20 सदस्यीय स्वयंसेवी टीम सफाई कार्य में भाग लेगी।

अभियान में एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार,

विशेष स्वच्छता अभियान को 11 सेक्टरों में बांटा गया परिक्रमा मार्ग

प्रशासनिक अधिकारियों और उज्ज्वल ब्रज टीमों को सौंपी है जिम्मेदारी

एडीएम वित्त-राजस्व पंकज कुमार वर्मा, डीआइजी शैलेष कुमार पांडेय, डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, सीओ सदर वरुण मिश्रा, अपर नगर मजिस्ट्रेट राजकुमार चौधरी और प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी अभियान में भाग लेंगे।

उज्वल ब्रज अभियान के अंतर्गत विभिन्न सामाजिक- शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी जिम्मेदारी दी गई है। इनमें जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, केडी मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन रामकिशोर अग्रवाल, बेरीवाल स्टेट के निदेशक कृपाकांत बेरीवाल, कल्याण करोति के सचिव सुनील शर्मा, उमा मोटर्स के निदेशक पवन चतुर्वेदी और अन्य समाजसेवी शामिल हैं। प्रत्येक टीम अपने निर्धारित सेक्टर में सफाई, जनजागरूकता और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का संचालन करेगी। प्रशासन ने नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि वृंदावन की स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाना है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ-पवित्र वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। प्रशासन को उम्मीद है कि यह अभियान स्वच्छ ब्रज के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा और लोगों में स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता पैदा करेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, व्यवस्था सुधारें : सीडीओ

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता आदि।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

पीसीपीएनडीटी टीकाकरण और आयुष्मान कार्ड पर दिए सख्त निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। कलेक्ट्रेट सभागार में सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अस्पतालों की व्यवस्थाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान भारत, टीबी उन्मूलन, परिवार नियोजन, नियमित टीकाकरण, एंबुलेंस सेवाओं और अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

सीडीओ ने सभी सरकारी अस्पतालों में साफ-सफाई, पेयजल, पंखों, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ को नियमित निरीक्षण करने, चिकित्सकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को बेहतर और त्वरित उपचार उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रभावी पालन पर जोर देते हुए अल्ट्रासाउंड केंद्रों की नियमित जांच और अनियमितता मिलने पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए।

जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को समय पर भुगतान, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा, गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी, नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने को कहा गया।

सीडीओ ने पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी और शत-प्रतिशत नियमित टीकाकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने 108 एंबुलेंस सेवा को निर्धारित समय में मरीजों तक पहुंचाने, टीबी जांच बढ़ाने और मौसमी बीमारियों के प्रति सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा सकता है।

बैठक में सीएमओ डॉ. राधावल्लभ, सीएमएस जिला अस्पताल नीरज अग्रवाल सहित समस्त एसीएमओ और एमओआईसी उपस्थित रहे। संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम संजय सिंहोरिया ने किया।

स्वच्छता अभियान में ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

अभियान के दौरान कचरा एकत्र करते शिक्षक आदि।

यूनिक समय, मथुरा। 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान के तहत शनिवार को जिले की 57 ग्राम पंचायतों में विशेष स्वच्छता और श्रमदान कार्यक्रम हुए। तीर्थ और पर्यटन स्थलों से जुड़ी ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की मौजूदगी में विद्यार्थियों, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और सफाई कर्मियों ने मिलकर सफाई की और प्लास्टिक मुक्त ब्रज का संदेश दिया।

ग्राम पंचायत छटीकरा में उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों, नोडल अधिकारी, अवर अभियंता, एडीओ पंचायत, ग्राम सचिव, प्रशासक और स्थानीय व्यापारियों ने संयुक्त रूप से स्वच्छता श्रमदान किया और प्लास्टिक मुक्त ब्रज का संकल्प लिया।

मथुरा की ग्राम पंचायत मुखराई स्थित मुखरा देवी कुंड पर ग्राम सचिव हरेंद्र सिंह, प्रधान प्रतिनिधि विष्णु सिंह, पंचायत सहायक योगेश, सफाई कर्मियों की टीम और विद्यार्थियों ने जनसहयोग से विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर परिसर की साफ-सफाई की। राया की ग्राम पंचायत शिवली में चौधरी हाकिम सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वच्छता श्रमदान किया। छात्रों ने गांव में सफाई कर ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने और प्लास्टिक का उपयोग कम करने के लिए प्रेरित किया।

हंसता आईना

राजकीय चिकित्सकों के संगठन का चुनाव छह अगस्त को

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में कार्यरत राजकीय चिकित्सकों के संगठन प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ (पीएमएस संघ) शाखा के चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। शासन के निर्देशों के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया 16 जुलाई से शुरू होकर छह अगस्त को मतदान और परिणाम की घोषणा के साथ पूरी होगी।

जिला रिटर्निंग अधिकारी डॉ. अनुज चौधरी और जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने बताया कि 16 से 20 जुलाई तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद 22 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 23 जुलाई को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि चार अगस्त को प्रमाणित मतदाता सूची जारी की जाएगी। छह अगस्त को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होने के बाद उसी दिन शाम छह बजे मतगणना पूरी कर चुनाव परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। चुनाव अधिकारियों ने सभी पात्र चिकित्सकों से निर्धारित तिथियों का पालन करते हुए चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को कहा है।

25 जुलाई से शुरू होंगी मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग कक्षाएं

यूनिक समय, मथुरा। जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना के तहत जिला स्तरीय निःशुल्क कोचिंग कक्षाएं 25 जुलाई से शुरू होने की संभावना है। समाज कल्याण विभाग इसकी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। कोचिंग कक्षाएं बीएसए महाविद्यालय में संचालित की जाएंगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया कि इस बार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कुल 408 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इनमें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी के लिए 116, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के लिए 159, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) के लिए 42, नीट और जेईई की तैयारी के लिए 91 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब कक्षाओं के संचालन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। योग्य औरअनुभवी विषय विशेषज्ञों के माध्यम से विद्यार्थियों को निःशुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

नवंबर में बजेगी सरकारी शहनाई

930 जोड़ों का होगा सामूहिक विवाह

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत विवाह की प्रतीक्षा कर रहे पात्र जोड़ों को अब करीब चार महीने और इंतजार करना होगा। जुलाई के बाद अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में मांगलिक मुहूर्त नहीं होने के कारण जिले में सामूहिक विवाह समारोह नवंबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। समाज कल्याण विभाग ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

जिला समाज कल्याण विभाग के अनुसार, शासन से अनुमति मिलने के बाद 20 नवंबर के बाद पड़ने वाली शुभ

तिथियों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। योजना के तहत इस वित्तीय वर्ष में जिले के 930 जोड़ों का विवाह कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पिछले वर्ष 818 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया था। इस

चार माह बाद शुरू होंगे शुभ मुहूर्त, अब तक आए 370 से अधिक आवेदन

बार अब तक 370 से अधिक आवेदन विभाग को प्राप्त हो चुके हैं और पात्रता की जांच की प्रक्रिया जारी है।

योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इस बार लाभार्थियों को एक महत्वपूर्ण बदलाव का लाभ मिलेगा।

पहले दी जाने वाली चांदी की पायल और बिछिया के स्थान पर 4,000 रुपये की राशि सीधे वधू के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इससे लाभार्थियों को अपनी जरूरत के अनुसार राशि खर्च करने की सुविधा मिलेगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया, उपहार सामग्री की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि समय रहते सभी तैयारियां पूरी की जा सकें। उन्होंने पात्र परिवारों से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत समय पर आवेदन करने की अपील की है, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार इस योजना का लाभ उठा सकें।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जीएलए में एआई से सशक्त होगी फार्मेसी शिक्षा और अनुसंधान

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च (आईपीआर) द्वारा आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का समापन हुआ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन फार्मेसी एजुकेशन एंड रिसर्च विषय पर आयोजित कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, सरकारी संगठनों और औषधि उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से फार्मेसी शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं में आ रहे बदलावों पर चर्चा की।

कार्यक्रम का आयोजन जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनुप कुमार गुप्ता के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम संयोजक फार्मेसी विभाग के निदेशक प्रो. कमल शाह रहे, जबकि डॉ. योगेश मूर्ति ने आयोजन सचिव के रूप में संचालन किया। उद्घाटन सत्र में आईपीजीए मथुरा लोकल चौप्टर के अध्यक्ष प्रो. देवेन्द्र पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शुभारंभ दीप प्रज्वलन,अतिथियों के स्वागत और जीएलए फार्मा पल्स–वीकली न्यूज लेटर के ई–विमोचन के साथ हुआ। पांच दिनों तक चले इस एफडीपी में विशेषज्ञों ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि फार्मेसी शिक्षा, औषधि अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन, डिजिटल थैरेप्यूटिक्स और रेगुलेटरी कार्यों का अभिन्न हिस्सा बनती जा रही है। आने वाले वर्षों में फार्मासिस्टों और शोधकर्ताओं के लिए एआई आधारित कौशल अनिवार्य होंगे।

जीएलए विश्वविद्यालय के पांच दिवसीय एफडीपी में देशभर के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों ने साझा किए अनुभव।

प्रमुख वक्ता प्रो. कमला पाठक, पूर्व डीन-प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ फार्मेसी, उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज इटावा ने कहा कि फार्मेसी पेशेवरों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आधुनिक डिजिटल तकनीकों और एआई को अपनाना होगा। प्रो. देवेन्द्र पाठक ने शिक्षा व्यवस्था को तकनीकी बदलावों के अनुरूप विकसित करने पर बल देते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों से नवाचारों को अपनाने का आह्वान किया। जामिया हमदर्द नई दिल्ली की प्रो. मायमूना अख्तर ने प्रतिभागियों को क्लॉड और जीपीटीजीरो जैसे आधुनिक एआई प्लेटफॉर्म्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के प्रो. हरीश दुरेजा ने डिजिटल थैरेप्यूटिक्स, रोबोट आधारित दवा वितरण औरस्मार्ट स्वास्थ्य सेवाओं की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रो. उर्वेश चौधरी, प्रोफेसर- निदेशक, गीतारत्तन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल दिल्ली ने शोध- अकादमिक लेखन में एआई के उपयोग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, संदर्भ प्रबंधन और प्लेजरिज्म जांच पर विस्तृत जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को 35 से अधिक एआई टूल्स से परिचित कराया।

जीएलए के कंप्यूटर इंजीनियरिंग एंड एप्लीकेशन्स विभाग के प्रो. संदीप कुमार राठौर, डॉ. सुमित साहा ने एआई की मूलभूत अवधारणाओं और व्यावहारिक उपयोग पर जानकारी दी। डॉ. पियूष खरे, एफएस सॉल्यूशंस लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा, डॉ. नितिन कुमार जैन, साइंटिस्ट–एच, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) भारत सरकार ने ड्रग रेगुलेटरी अफेयर्स, जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों और जैव सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।

समापन समारोह में प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। प्रो. कमल शाह ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षकों और शोधकर्ताओं को नवीनतम तकनीकों से जोड़कर उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। डॉ. योगेश मूर्ति ने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों और विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता को सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया।

उमस भरी रातों में बिजली संकट से लोग हुए बेहाल

घंटों गुल रही आपूर्ति ट्रिपिंग और कटौती ने बढ़ाई परेशानी

शहर से गांव तक रोस्टिंग और तकनीकी खराबी का असर

यूनिक समय, मथुरा। भीषण उमस और गर्मी के बीच जिले की बिजली व्यवस्था लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बन गई है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लगातार बिजली कटौती, ट्रिपिंग और तकनीकी खराबी के चलते लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दिन में बार–बार बिजली जाने से जहां घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहे हैं, वहीं रात में अघोषित कटौती ने लोगों की नींद छीन ली है।

शुक्रवार रात और शनिवार दिन में शहर के कई मोहल्लों और गांवों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। कहीं ओवरलोड के कारण फॉल्ट आए तो कहीं रोस्टिंग और तकनीकी खराबी के चलते सप्लाई प्रभावित हुई। लगातार बिजली के आने–जाने से पंखे, कूलर और अन्य विद्युत उपकरण बंद पड़ते रहे, जिससे उमस के बीच लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया। कई गांवों में बार–बार ट्रिपिंग और लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों को रात जागकर बितानी पड़ी। किसानों को भी सिंचाई कार्य प्रभावित होने की चिंता सताने लगी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ना स्वाभाविक है, इसलिए विभाग को पहले से पर्याप्त तैयारियां करनी चाहिए थीं। लोगों ने फॉल्ट होने पर त्वरित मरम्मत और अघोषित कटौती पर रोक लगाने की मांग की है। बिजली विभाग का कहना है कि बढ़े हुए लोड और कुछ स्थानों पर तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। जहां–जहां फॉल्ट की सूचना मिल रही है, वहां टीमों को भेजकर मरम्मत कराई जा रही है। वहीं, फरह कस्बा में ओसीबी खराब होने से शुक्रवार रात और दिन में बिजली सप्लाई घंटों प्रभावित रही। सुबह सप्लाईठप रहने से नागरिक जरूरी काम को परेशान होते रहे।

बूंदाबांदी से भड़की उमस, भारी वर्षा की संभावना

यूनिक समय, मथुरा। आज सुबह आसमान पर काले बादल छाए तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो गई। घने काले बादलों से मौसम सुहाना हो गया। कुछ देर बाद चली बयार ने बादलों को हटाया तो उमस भड़क गई और शरीर से पसीना टपकने लगा। अगले दिनों में मौसम विभाग ने जिले में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सचेत रहने को कहा है।

वैसे, आसमान पर सुबह से रात तक आसमान पर काले बादल उमड़- घुमड़ रहे हैं, लेकिन वर्षा नहीं हो रही है। आज भोर में घने काले बादल छाए तो लोगों को लगा कि गर्मी कुछ शांत होगी। कुछ देर बाद हल्की बूंदाबांदी हो गई तो मौसम सुहावना हो गया। बयार के चलने से आसमान साफ हुआ तो वातावरण में चमक बिखर गई। इससे उमस हो गई और लोग सुबह से रात तक उमस से परेशान होते रहे। ऐसे में जिले में रविवार से गुरुवार तक झमाझम वर्षा की संभावना है। इस दौरान तेज आंधी भी चल सकती है। जिले में 20 से 24 जुलाई के बीच भारी बारिश की संभावना है। इस दौरान तेज हवा और वज्रपात की भी आशंका है। इसको देखते हुए आपदा विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी कर लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र कुमार ने बताया कि रविवार को मौसम साफ रह सकता है, हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद सोमवार से गुरुवार के मध्य जिले में भारी बारिश की संभावना है।

होलिका दहन भूमि की जांच कराने की मांग

यूनिक समय, गोकुल। कस्बा के प्राचीन होलिका दहन स्थल की जांच करने के संबंध में एसडीएम महावन को एक पत्र दिया गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष संजय दीक्षित ने मांग की है कि गोकुल के होलिका का दहन स्थल पर 200 वर्षों से यहां होलिका दहन होता है। उसकी जांच कराई जाए, वह किसका है. क्योंकि यह है सार्वजनिक जमीन है और जब 200 वर्षों से किसी का ध्यान क्यों नहीं रहा है, किसा की निजी संपत्ति पर होलिका दहन कैसे किया जा रहा था। अगर इसके फर्जी पट्टे किए हैं तो सरकारी जमीन पर कैसे पट्टे काट दिए गए और जिस किसी की यह जमीन है उसने आज तक यहां कुछ निर्माण कार्य क्यों नहीं किया। इसलिए इस जमीन की जांच कराई जाए, क्योंकि यह आस्था का सवाल है। लोगों में आक्रोश है कि सरकारी जमीनों पर कब्जे किए जा रहे हैं, पट्टे काटे जा रहे है।

डीएम–एसएसपी ने देखी मुड़िया मेले की व्यवस्थाएं

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में लगने वाले मुड़िया पूर्णिमा मेले की सुरक्षा और सफाई आदि की व्यवस्था को देखने के लिए जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश और एसएसपी श्लोक कुमार ने परिक्रमा मार्ग सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए।

यूपी बोर्डः व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के लिए तैयारी तेज

केंद्रों को लेकर चल रहा मंथन

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के पंजीकरण और आवेदन प्रक्रिया को लेकर शासन की ओर से नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसी के तहत जिले में भी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

जानकारी के अनुसार, ऐसे छात्र–छात्राएं जो किसी कारण नियमित रूप से विद्यालय नहीं जा सके, पढ़ाई बीच में छूट गई या निजी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा देना चाहते हैं, उन्हें निर्धारित अग्रसारित केंद्रों के माध्यम से आवेदन करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए जिले के विद्यालयों और संभावित केंद्रों को लेकर मंथन किया जा रहा है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि व्यक्तिगत और पत्राचार (कॉरेस्पोंडेंस) से परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के आवेदन जल्द शुरू किए जाएंगे। आवेदन की तिथि और पूरी प्रक्रिया माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से घोषित होने के बाद सार्वजनिक की जाएगी।

फिलहाल जिले में यह तय किया जा रहा है कि किन विद्यालयों को अग्रसारित केंद्र बनाया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, इस वर्ष केंद्रों के चयन में कुछ बदलाव भी किए जा सकते हैं। प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी रहे, जिससे पात्र विद्यार्थियों को समय पर परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिल सके। इसके लिए विद्यालयों से भी आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

पोर्टल खुला, 10 तक होगी अनुदान पर कृषि यंत्रों की बुकिंग

यूनिक समय, मथुरा। कृषि विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के तहत संचालित कृषि यंत्रीकरण योजनाओं में अनुदान पर कृषि यंत्रों की बुकिंग के लिए पोर्टल खोल दिया है। इच्छुक किसान 10 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रभारी उप कृषि निदेशक आवेश कुमार ने बताया कि किसान सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन, प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन–सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यूज सहित विभिन्न योजनाओं के तहत कृषि यंत्रों और उपकरणों के लिए आवेदन कर सकेंगे। किसान मोबाइल फोन, लैपटॉप या कंप्यूटर से विभागीय पोर्टल पर पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। प्रभारी डीडी कृषि ने कहा कि किसी कृषि यंत्र के लिए निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लाभार्थियों का चयन ई–लॉटरी से किया जाएगा।-

सीयूईटी में आरआईएस की पूर्व छात्रा रिद्धवी ने फहराया परचम

1000 में 944.5 अंक हासिल कर प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज में लिया प्रवेश

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल की पूर्व मेधावी छात्रा रिद्धवी खंडेलवाल ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1000 में से 944.5 अंक हासिल कर एशिया महाद्वीप और देश के सर्वश्रेष्ठ वाणिज्य कॉलेजों में से एक श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में दाखिला लेकर समूचे ब्रज क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। आरआईएस की जहां तक बात है, यहां के छात्र–छात्राएं शिक्षा, खेलकूद, टेक्नोलॉजी आदि क्षेत्रों में लगातार कामयाबी की नई पटकथा लिख रहे हैं।

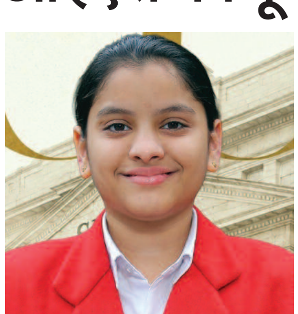

मेधावी रिद्धवी खंडेलवाल की जहां तक बात है, इस छात्रा ने सीबीएसई सत्र 2025–26 की 12वीं की परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर समूचे मथुरा जनपद का गौरव बढ़ाया था। हाल ही में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के परीक्षा परिणाम घोषित हुए जिसमें रिद्धवी खंडेलवाल ने 1000 में से 944.5 अंक हासिल कर अपनी मेधा का नायाब उदाहरण पेश किया।

रिद्धवी खंडेलवाल अपनी सफलता से न केवल खुश हैं बल्कि कहती हैं कि उनका श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में प्रवेश पाने का सपना साकार हो गया है।

उन्होंने अपनी शानदार सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और गुरुजनों को दिया। अतुल खंडेलवाल और पूजा खंडेलवाल अपनी सुपुत्री रिद्धवी की कामयाबी से खुश हैं। इनका कहना है कि राजीव इंटरनेशनल स्कूल में ही उनकी बेटी का मजबूत आधार तैयार हुआ। अब वह श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने सपनों को साकार करेगी।

आरके एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, प्राचार्य नंदिता ढींगरा ने छात्रा रिद्धवी खंडेलवाल की शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने छात्रा रिद्धवी की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि जो विद्यार्थी समय के महत्व को समझते हुए कड़ी मेहनत करते हैं वही सफलता के शिखर पर पहुंचते हैं।

यूपी में भी ब्रेस्ट कैंसर चुनौती विशेषज्ञों की भारी कमी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्रेस्ट कैंसर अब केवल महानगरों तक सीमित बीमारी नहीं रह गया है, बल्कि उत्तर प्रदेश के शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार समय पर जांच और इलाज मिलने पर इस बीमारी पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है, लेकिन महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, जागरूकता का अभाव और जांच में देरी के कारण बड़ी संख्या में मरीज गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंच रहे हैं। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में कैंसर विशेषज्ञों की उपलब्धता अभी भी जरूरत के मुकाबले काफी कम है। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, आगरा, गोरखपुर और मेरठ जैसे बड़े चिकित्सा केंद्रों पर मरीजों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। वहीं, छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को जांच और उपचार के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। कई महिलाएं पुरुष डॉक्टर से जांच कराने में संकोच करती हैं, जिसके कारण बीमारी शुरुआती चरण में पकड़ में नहीं आ पाती। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में शुरुआती स्क्रीनिंग सबसे अहम होती है। यदि गांठ, स्तन के आकार में बदलाव, त्वचा में सिकुड़न, निप्पल से असामान्य स्राव या लगातार दर्द जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। शुरुआती अवस्था में इलाज शुरू होने पर मरीज के पूरी तरह स्वस्थ होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कैंसर स्क्रीनिंग अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल स्क्रीनिंग बढ़ाने से पर्याप्त परिणाम नहीं मिलेंगे। प्रत्येक मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में प्रशिक्षित कैंसर विशेषज्ञ, महिला डॉक्टर, आधुनिक जांच सुविधाएं और समर्पित ब्रेस्ट कैंसर क्लीनिक की आवश्यकता है। इससे ग्रामीण और दूरदराज की महिलाओं को

महिला डॉक्टरों की कमी बढ़ा रही झिझक

समय पर जांच से बच सकती हैं हजारों जानें

समय पर उपचार मिल सकेगा। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि ब्रेस्ट कैंसर को लेकर समाज में फैली झिझक और डर को खत्म करना जरूरी है। परिवार के सहयोग, नियमित स्वास्थ्य जांच और जागरूकता अभियान से इस बीमारी के कारण होने वाली मौतों में बड़ी कमी लाई जा सकती है।

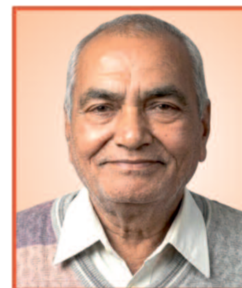
स्व. श्री अशोक कुमार अग्रवाल

उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे लघु भ्राता श्री अशोक कुमार जी अग्रवाल पुत्र स्व. श्री मटरोमल (खोआ वाले) का गोलोकवास दिनांक 18.07.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 19.07.2026 रविवार को महिलाओं एवं पुरुषों की दोपहर सायं 4 से 5 बजे तक अग्रवाटिका मसानी बाईपास लिंक रोड, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल

यशोदा देवी (धर्मपत्नी)
रुचि-देवेश जी (पुत्री-दामाद)
विराज, राधिका वृन्दा (धेवता-धेवती)
रानी-विकास जी (बहन-बहनोई)
प्रसून-मोनिका (भांजा-भांजावधु)
संगीता-मनोज जी, चंचल-भूपेन्द्र जी
स्वाती-शुभनिधी जी, प्रीती-पीयुष जी
(भतीजी-भतीजीदामाद)
रतिका-गौरव जी
(भांजी-भांजीदामाद)

गिरधारी लाल-बृज लता
(ज्येष्ठ भ्राता-भ्रातावधु)
उच्छव दास (लघु भ्राता)
राजेश-वन्दना, विकास-पूजा
सोनू-रेखा, माधव-प्रीति
वृन्दावन दास, अभिषेक-निधि
हिमांशु-खुशबू (भतीजे-भतीजेवधु)
श्रेया-सुजॉय (पौत्री-पौत्रीदामाद)
श्रेय-महक (पौत्र-पौत्रवधु) निकुंज, देवांश
आर्थिक, अराध्य, विद्यांयश, कृष्णा (पौत्र)

एवं समस्त खोआ वाला परिवार

ससुराल पक्ष - राधेश्याम, महावीर प्रसाद, नन्दकिशोर, गिर्राजकिशोर बंसल (पोरसा MP)

सिर्फ स्वाद ही नहीं, गुणों की खान है हींग की कचौड़ी

हींग पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करती है

गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाती है

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप नाश्ते में कुछ कुरकुरा, स्वादिष्ट और सेहतमंद बनाना चाहते हैं, तो हींग की कचौड़ी एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है। अपनी खास खुशबू और लाजवाब स्वाद के लिए मशहूर यह कचौड़ी पाचन के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। हींग गैस, अपच और पेट की अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करती है, इसलिए इसे आयुर्वेद में भी विशेष महत्व दिया गया है। बाजार जैसी स्वादिष्ट हींग की कचौड़ी आप आसानी से घर पर भी तैयार कर सकते हैं। आटे के लिए सामग्रीः2 कप मैदा या गेहूं का आटा, 3-4 बड़े चम्मच घी या तेल (मोयन), स्वादानुसार नमक और गुनगुना पानी। भरावन के लिए सामग्रीःआधा कप भीगी हुई धुली उड़द दाल, आधा छोटा चम्मच हींग, 1-1 छोटा चम्मच सौंफ और धनिया पाउडर, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चौथाई छोटा चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, स्वादानुसार नमक और तलने के लिए तेल। बनाने की विधिःसबसे पहले आटे में नमक और मोयन मिलाकर गुनगुने पानी से नरम आटा गूंध लें और 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। भीगी हुई उड़द दाल को दरदरा पीस लें। अब कढ़ाई में थोड़ा तेल गर्म करें और उसमें हींग, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर भूनें।

इसके बाद पिसी हुई दाल और सभी मसाले डालकर धीमी आंच पर अच्छी तरह भून लें। मिश्रण ठंडा होने के बाद आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाकर उनमें दाल की स्टफिंग भरें और किनारों को अच्छी तरह बंद कर दें। अब कढ़ाई में मध्यम गर्म तेल में कचौड़ियों को धीमी आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। तेज आंच पर तलने से कचौड़ी बाहर से तो पक जाती है, लेकिन अंदर कच्ची रह सकती है। तैयार हींग की कचौड़ी को हरी चटनी, इमली की मीठी चटनी या आलू की सब्जी के साथ गर्मागर्म परोसें। स्वाद के साथ-साथ यह पाचन के लिए भी लाभकारी मानी जाती है।

आईआरसीटीसी का स्पिरिचुअल साउथ इंडिया टूर

7 दिन में करें प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। धार्मिक यात्रा के शौकीनों के लिए भारतीय रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) शानदार स्पिरिचुअल साउथ इंडिया टूर पैकेज लेकर आया है। यह पैकेज 24 जुलाई 2026 से शुरू होगा और यात्रियों को कन्याकुमारी, मदुरै, रामेश्वरम और तिरुवनंतपुरम जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों के दर्शन कराएगा। 6 रात और 7 दिन के इस टूर का पैकेज कोड एससीबीए45 है। इस यात्रा में आने-जाने के लिए फ्लाइट, स्थानीय भ्रमण के लिए शेयरिंग एसी कैब और ठहरने के लिए एसी होटल की सुविधा दी जाएगी। पैकेज में 6 दिन का नाश्ता और 6 दिन का रात्रि भोजन शामिल है, जबकि दोपहर के भोजन की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। यदि यात्री तय मेन्यू के अलावा कुछ और खाना चाहते हैं, तो उसका अतिरिक्त शुल्क अलग से देना होगा। पूरी यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी का टूर एस्कॉर्ट भी यात्रियों के साथ रहेगा। दो लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति शुल्क 55,710 रुपये, तीन लोगों के साथ 53,505 रुपये और बच्चों के लिए 45,230 रुपये निर्धारित किया गया है। पैकेज में हवाई टिकट, होटल, स्थानीय परिवहन और दर्शनीय स्थलों की यात्रा शामिल है। हालांकि, यदि एयरलाइन की ओर से किराए या उड़ान के समय में कोई बदलाव किया जाता है, तो उसका अतिरिक्त खर्च यात्रियों को वहन करना होगा। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर इस पैकेज की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और ऑनलाइन बुकिंग कर अपनी आध्यात्मिक यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

घर पर बनाएं आसान एंटी-एजिंग सीरम

यूनिक समय, नई दिल्ली। 30 की उम्र के बाद त्वचा में कोलेजन का स्तर कम होने लगता है, जिससे झुर्रियां, फाइन लाइन्स और ढीलापन नजर आने लगता है। ऐसे में महंगे केमिकल युक्त सीरम की बजाय आप घर पर ही प्राकृतिक एंटी-एजिंग सीरम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेल, 1 चम्मच गुलाब जल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 चम्मच बादाम या आर्गन ऑयल और आधा चम्मच ग्लिसरीन लें। सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाकर कांच की ड्रॉपर बोतल में भर लें और फ्रिज में रख दें। रोज रात को चेहरा साफ करने के बाद इस सीरम की 3-4 बूंदें चेहरे और गर्दन पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें और रातभर लगा रहने दें। एलोवेरा त्वचा को हाइड्रेट और टाइट करने में मदद करता है, जबकि विटामिन ई और बादाम का तेल फ्री रेडिकल्स से बचाव कर झुर्रियों को कम करने में सहायक माने जाते हैं। नियमित इस्तेमाल से त्वचा में निखार, नमी और प्राकृतिक चमक बनी रह सकती है।

बाल साहित्य में अमीर किरदारों की बदलती नकारात्मक छवि

धनी पात्रों को खलनायक बनाने पर बहस

विशेषज्ञ बोले, संतुलित कहानियां हैं बच्चों के लिए

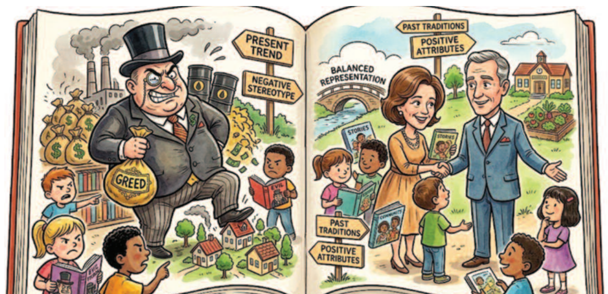

यूनिक समय, नई दिल्ली। बच्चों के साहित्य में अमीर पात्रों को खलनायक के रूप में प्रस्तुत करने का चलन लगातार बढ़ रहा है। नई बाल कहानियों और उपन्यासों में धनी किरदारों को अक्सर लालची, चालाक, भ्रष्ट या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति के रूप में दिखाया जा रहा है। इस बदलते रुझान को लेकर शिक्षाविदों और बाल मनोवैज्ञानिकों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि यदि बच्चों को लगातार एक ही वर्ग के लोगों की नकारात्मक छवि दिखाई जाएगी, तो इससे उनके मन में धन, सफलता और समृद्धि के प्रति गलत धारणाएं विकसित हो सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, आज की कई चर्चित बाल पुस्तकों में अमीर कारोबारी, उद्योगपति या बिल्डर मुख्य खलनायक के रूप में सामने आते हैं। इन कहानियों में आर्थिक रूप से संपन्न पात्रों को स्वार्थी और अनैतिक दिखाया जाता है, जबकि समाज के अन्य वर्गों को सकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसके विपरीत, बीसवीं सदी के कई प्रसिद्ध बाल साहित्य में संपन्न पात्रों को दयालु, उदार और मददगार व्यक्तित्व के रूप में भी दिखाया गया था। बाल साहित्य विशेषज्ञों का मानना है कि साहित्य हमेशा अपने समय के सामाजिक माहौल को दर्शाता है। वर्तमान दौर में आर्थिक असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक न्याय जैसे विषय वैश्विक चर्चा के केंद्र में हैं। इसी कारण इन मुद्दों का प्रभाव बच्चों की कहानियों पर भी दिखाई दे रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सामाजिक संदेश देने के नाम पर किसी एक वर्ग की लगातार नकारात्मक छवि बनाना उचित नहीं है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों की नैतिक सोच और सामाजिक दृष्टिकोण के निर्माण में कहानियों की अहम भूमिका होती है। यदि किसी वर्ग को हमेशा खलनायक और दूसरे वर्ग को हमेशा आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, तो बच्चे वास्तविक जीवन की विविधता को संतुलित तरीके से नहीं समझ पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का भी मानना है कि बाल साहित्य में समाज के अलग-अलग आर्थिक और सामाजिक वर्गों का संतुलित चित्रण होना चाहिए। कहानियों में पात्रों का मूल्यांकन उनके व्यवहार, ईमानदारी और मानवीय गुणों के आधार पर होना चाहिए, न कि केवल उनकी आर्थिक स्थिति के आधार पर। विशेषज्ञों का कहना है

1600 सैटेलाइट्स से बदलेगा इंटरनेट, जियो ने बढ़ाया बड़ा कदम

यूनिक समय, नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने भारत में स्वदेशी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा दिया है। कंपनी के 1600 लो अर्थ ऑर्बिट (लियो) सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में, इसरो और दूरसंचार विभाग की वायरलेस प्लानिंग एंड कोऑर्डिनेशन (डब्ल्यूपीसी) विंग की तकनीकी जांच में मंजूरी मिल गई है। इस स्वीकृति के बाद जियो की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू होने की संभावनाएं और मजबूत हो गई हैं जियो का दावा है कि उसका सैटेलाइट नेटवर्क भविष्य में 4.5 से 5 टेराबिट प्रति सेकेंड तक की क्षमता के साथ हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध करा सकेगा। यह क्षमता भारत के सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में बड़ा बदलाव ला सकती है। फिलहाल एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन जैसी वैश्विक कंपनियां भी भारतीय बाजार में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। कंपनी का लक्ष्य केवल दूर-दराज के इलाकों तक इंटरनेट पहुंचाना नहीं, बल्कि फिक्स्ड सैटेलाइट ब्रॉडबैंड और डायरेक्ट-टू-डिवाइस जैसी आधुनिक सेवाएं भी उपलब्ध कराना है। इसके लिए देशभर में 20 से 22 ग्राउंड स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, जो पूरे नेटवर्क को सपोर्ट करेंगे विशेषज्ञों का मानना है कि स्वदेशी सैटेलाइट नेटवर्क तैयार होने से भारत की विदेशी सैटेलाइट नेटवर्क पर निर्भरता कम होगी।

सुविचार

जीवन में सीखना बंद किया तो आगे बढ़ना रुक जाएगा।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी 03:43-03:30 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उत्तर फाल्गुनी 06:00-06:11 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:40 AM	चन्द्रोदय	10:32 AM
सूर्यास्त	7:11 PM	चंद्रास्त	10:36 PM
सूर्य राशि	कर्क राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त	11:58AM –12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	05:29 PM: 07:10 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कल कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में नए अवसर आएंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृषभः मेहनत का फल मिलेगा। धन लाभ के योग बनेंगे। व्यापार में प्रगति होगी। रिश्तों में मधुरता आएगी, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुनः नए कार्य शुरू करने का अवसर मिलेगा। करियर में सफलता मिलेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कर्कः कल भावनाओं पर नियंत्रण रखें। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। परिवार से सहयोग मिलेगा, मन प्रसन्न रहेगा।

सिंहः नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। निवेश लाभदायक रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, आत्मविश्वास मजबूत होगा।

कन्याः योजनाओं में सफलता मिलेगी। मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

तुलाः नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। रिश्तों में सुधार आएगा। धन संबंधी मामलों में सफलता मिलेगी, मन शांत रहेगा।

वृश्चिकः कल मेहनत से लाभ मिलेगा। करियर में बदलाव संभव है। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। परिवार में खुशियां बनी रहेंगी।

धनुः भाग्य का साथ मिलेगा। नए संपर्क लाभ देंगे। व्यापार में उन्नति होगी। यात्रा के योग बनेंगे। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

मकरः कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। पुराने विवाद समाप्त होंगे। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

कुंभः नई योजनाएं सफल होंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें।

मीनः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धन लाभ के अवसर मिलेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। भविष्य की योजनाएं मजबूत होंगी।

जागृत हैं भूतेश्वर महादेव, जहां पांडवों को हुए थे शिवजी के दर्शन

पांडवों की तपस्या से जुड़ा प्राचीन इतिहास

40 दिनों के जलाभिषेक से पूरी होती है हर कामना

देवी–देवताओं भी पूजा करने आते हैं महादेव की

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में स्थित श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर अपनी पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक रहस्यों के कारण श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यह प्राचीन शिवालय महाभारत काल से जुड़ा माना जाता है। मान्यता है कि अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने यहां भगवान शिव की आराधना की थी और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें दर्शन दिए थे।

करीब 22 बीघा क्षेत्र में फैला यह सिद्धपीठ धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, 17वीं शताब्दी में यहां स्वयंभू शिवलिंग प्रकट हुआ था। इसके बाद मराठा शासकों ने इस स्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण कराया। उस समय मंदिर के आसपास घने जंगल हुआ करते थे और साधु–संत यहां रहकर भगवान शिव की तपस्या करते थे।

भूतेश्वर महादेव मंदिर को लेकर कई चमत्कारिक कथाएं भी प्रचलित हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि एक समय मंदिर के पुजारी और साधु–संतों ने गर्भगृह में भगवान शिव का दिव्य श्रृंगार और पूजा संपन्न अवस्था में देखी थी। इसे देवी–देवताओं द्वारा स्वयं महादेव की आराधना किए जाने की मान्यता से जोड़ा जाता है।

मंदिर से जुड़ी एक और प्रसिद्ध मान्यता है कि यहां सच्चे मन से 40 दिनों तक लगातार जलाभिषेक करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी विश्वास के कारण दूर–दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

सावन के महीने में भूतेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। हरिद्वार से कांवड़ के माध्यम से गंगाजल लेकर आने वाले शिवभक्त यहां भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। सावन सोमवार और विशेष धार्मिक अवसरों पर मंदिर परिसर में आस्था और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिलता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

सहारनपुर का यह शिवधाम केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि पौराणिक परंपराओं, लोक आस्था और सदियों पुराने इतिहास का संगम है। यही कारण है कि भूतेश्वर महादेव मंदिर आज भी लाखों श्रद्धालुओं के लिए विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बना हुआ है।

महिलाओं की दाईं और पुरूषों की बाईं आंख फड़कना होती है अशुभ

यूनिक समय, मथुरा। आंख फड़कना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है, लेकिन भारतीय परंपराओं और समुद्र शास्त्र में इसे कई तरह के संकेतों से जोड़कर देखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरीर के अंगों का फड़कना भविष्य में होने वाली शुभ या अशुभ घटनाओं का संकेत माना जाता है। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टि से आंख फड़कना थकान, तनाव या अन्य शारीरिक कारणों से भी हो सकता है।

समुद्र शास्त्र में पुरुषों और महिलाओं के लिए आंख फड़कने के अलग–अलग अर्थ बताए गए हैं। मान्यता के अनुसार महिलाओं की बाईं आंख का फड़कना शुभ माना जाता है। इसे सुख–समृद्धि, शुभ समाचार, धन लाभ और परिवार में खुशहाली आने का संकेत बताया जाता है। वहीं महिलाओं की दाईं आंख फड़कने को

कुछ परंपराओं में अशुभ माना गया है। इसे घरेलू तनाव, मानसिक चिंता, खर्च बढ़ने या विवाद की आशंका से जोड़ा जाता है।

पुरुषों के लिए इसके संकेत अलग बताए गए हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषों की दाईं आंख फड़कना शुभ माना जाता है। इसे सफलता, सम्मान, आर्थिक लाभ और रुके हुए कार्य पूरे होने का संकेत माना जाता है। वहीं पुरुषों की बाईं आंख फड़कने को कई मान्यताओं में चुनौती, तनाव या

महिलाओं की बाईं आंख फड़कना शुभ माना जाता है

कार्यों में बाधा से जोड़कर देखा जाता है। ज्योतिष और लोक परंपराओं में आंख फड़कने से जुड़े विश्वास भारत के अलावा कई अन्य देशों में भी प्रचलित हैं। अलग–अलग संस्कृतियों में इसे अपने–अपने तरीके से समझा जाता है। हालांकि इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, फिर भी लोग इन्हें परंपरा और विश्वास के रूप में मानते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि आंख लगातार फड़क रही है तो इसे केवल शुभ–अशुभ संकेत मानने के बजाय स्वास्थ्य कारणों पर भी ध्यान देना चाहिए। नींद की कमी, अधिक तनाव, स्क्रीन टाइम बढ़ना या आंखों पर दबाव भी इसका कारण हो सकता है।

मुख्य द्वार पर तांबे का सूर्य लगाने से बढ़ती है शुभ ऊर्जा

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख स्थान माना गया है। इसी वजह से यहां लगाए जाने वाले सजावटी और धार्मिक प्रतीकों का विशेष महत्व बताया जाता है। तांबे का सूर्य भी ऐसा ही एक उपाय माना जाता है, जिसे सकारात्मकता और उन्नति से जोड़कर देखा जाता है। मान्यताओं के अनुसार तांबा सूर्य से संबंधित धातु है और सूर्य को शक्ति, आत्मविश्वास व सफलता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए कई लोग घर के प्रवेश द्वार पर तांबे से बना सूर्य लगाते हैं। वास्तु के अनुसार इसे पूर्व दिशा में लगाना अधिक शुभ माना जाता है, क्योंकि इसी दिशा से सूर्य का उदय होता है। कहा जाता है कि तांबे का सूर्य घर के वातावरण में ऊर्जा संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है। इसे परिवार में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच

तांबे के सूर्य से जुड़ी शुभ मान्यताएं

सही दिशा में लगाने का महत्व

और आर्थिक प्रगति से भी जोड़ा जाता है। हालांकि वास्तु उपायों को मान्यताओं के आधार पर ही देखा जाता है। इसे लगाते समय सही दिशा और स्थान का ध्यान रखना जरूरी माना गया है।

जब रूठीं माता लक्ष्मी, टूट गया जगन्नाथ का नंदीघोष रथ

यूनिक समय, मथुरा। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि कई अनोखी परंपराओं और भावनाओं से जुड़ा आध्यात्मिक आयोजन है। इन्हीं में से एक है हेरा पंचमी, जिसमें माता लक्ष्मी की नाराजगी, भगवान जगन्नाथ के प्रति प्रेम और फिर पुनर्मिलन की अद्भुत कथा देखने को मिलती है।

मान्यता के अनुसार, जब भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर जाते हैं, तब माता लक्ष्मी श्रीमंदिर में ही विराजमान रहती हैं। भगवान के कई दिनों तक वापस नहीं लौटने पर माता लक्ष्मी उनसे मिलने

और वापस लाने के लिए गुंडिचा मंदिर पहुंचती हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, गुंडिचा मंदिर पहुंचने पर माता लक्ष्मी भगवान जगन्नाथ से वापस चलने का आग्रह करती हैं, लेकिन भगवान तुरंत उनके साथ नहीं लौटते और कुछ समय बाद आने का आश्वासन देते हैं। इससे माता लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। इसी

हेरा पंचमी में छिपी प्रेमभरी लीला

रथ तोड़कर गुप्त मार्ग से लौटीं लक्ष्मी

नाराजगी के प्रतीक स्वरूप वह भगवान जगन्नाथ के रथ नंदीघोष के एक हिस्से को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। इसके बाद माता लक्ष्मी मुख्य रास्ते से वापस न लौटकर एक गुप्त मार्ग से श्रीमंदिर पहुंचती हैं। इसी परंपरा को हेरा पंचमी उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भक्त इस घटना को क्रोध नहीं, बल्कि पति–पत्नी के बीच प्रेम, मान–मनुहार और भावनात्मक संबंध की दिव्य लीला मानते हैं। हेरा पंचमी आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इस दिन विशेष पूजा–अनुष्ठान किए जाते हैं और माता लक्ष्मी की भगवान जगन्नाथ को खोजने की परंपरा निभाई जाती है। यह अनुष्ठान जगन्नाथ संस्कृति में प्रेम और रिश्तों की भावनाओं को दर्शाता है।

मान्यता है कि अंत में भगवान जगन्नाथ माता लक्ष्मी को मनाते हैं और उन्हें प्रसन्न कर अपने साथ वापस लौटते हैं। यही कारण है कि हेरा पंचमी को केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और पुनर्मिलन के प्रतीक पर्व के रूप में देखा जाता है।

सम्पादकीय

कानून न्याय का कवच प्रतिशोध का हथियार नहीं

कानून समाज को सुरक्षित रखने के लिए बनते हैं, लेकिन जब वही कानून बहस का विषय बनने लगें तो सवाल केवल अदालतों का नहीं, व्यवस्था का भी होता है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कड़े कानूनों ने असंख्य पीड़िताओं को न्याय दिलाने का रास्ता खोला है। यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। मगर दूसरी ओर, यदि इनका दुरुपयोग होने लगे तो कानून की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। हाल में दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी ने इसी बहस को फिर सामने ला दिया। अदालत ने संकेत दिया कि कुछ वैवाहिक विवादों में गंभीर आपराधिक धाराओं का इस्तेमाल दबाव बनाने या समझौते की रणनीति के रूप में भी किया जा रहा है। यह टिप्पणी किसी कानून को कमजोर करने की नहीं, बल्कि उसके जिम्मेदार उपयोग की याद दिलाती है। समस्या यह है कि हमारे समाज में फैसला अदालत बाद में करती है, लेकिन फैसला सोशल मीडिया, पड़ोस, रिश्तेदार और व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी पहले सुना देते हैं। एफआईआर दर्ज होते ही कुछ लोग अभियुक्त को अपराधी घोषित कर देते हैं। यदि वर्षों बाद अदालत उसे निर्दोष भी बता दे, तब तक उसकी प्रतिष्ठा, रिश्ते और मानसिक शांति अक्सर बिखर चुकी होती है। अदालत बरी कर सकती है, लेकिन समाज की अदालत का "रीव्यू पिटीशन" शायद ही कभी स्वीकार होता है। विडंबना देखिए, हमारे यहां कानून की धाराएं कम और धारणाएं ज्यादा तेज चलती हैं। किसी को न्याय मिलने से पहले ही समाज अपनी मुहर लगा देता है। परिणाम यह होता है कि वास्तविक पीड़िताओं की आवाज भी कई बार संदेह के घेरे में आ जाती है। झूठे मामलों का नुकसान केवल आरोपित को नहीं, बल्कि उन महिलाओं को भी होता है जो सचमुच न्याय की हकदार हैं। इसका समाधान कानून को कमजोर करना नहीं, बल्कि जांच और न्याय प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष, वैज्ञानिक और समयबद्ध बनाना है। हर शिकायत को गंभीरता से सुना जाए, लेकिन हर आरोप को अंतिम सत्य भी न मान लिया जाए। न्याय का अर्थ केवल दोषी को सजा देना नहीं, बल्कि निर्दोष की गरिमा बचाना भी है।

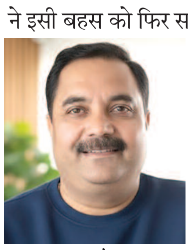

पवन गौतम
संपादक

[QR code]
स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

समाज को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। किसी वायरल पोस्ट, अधूरी खबर या एकतरफा आरोप के आधार पर चरित्र प्रमाणपत्र बांटना बंद करना होगा। कानून का सम्मान तभी रहेगा, जब उसका इस्तेमाल सुरक्षा के कवच की तरह हो, प्रतिशोध के हथियार की तरह नहीं। न्याय का संतुलन तभी संभव है, जब पीड़िता को भरोसा मिले और निर्दोष को सम्मान। यही किसी लोकतांत्रिक और संवेदनशील समाज की असली पहचान है।

नजरिया

चढ़ावे की पवित्रता पर उठते सवाल भरोसा बचाना मंदिरों की जिम्मेदारी

बोध प्रकाश सगुणी

मथुरा–वृंदावन की धरती पर मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं हैं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, भावनाओं और विश्वास का केंद्र हैं। यहां आने वाला श्रद्धालु अपने साथ केवल फूल–माला या प्रसाद नहीं लाता, बल्कि अपने मन की श्रद्धा लेकर आता है। मंदिरों में चढ़ाया गया धन, आभूषण या अन्य सामग्री भक्तों के लिए केवल संपत्ति नहीं होती, बल्कि भगवान के प्रति समर्पण का प्रतीक होता है। ऐसे में जब किसी मंदिर के चढ़ावे या उसकी व्यवस्था में अनियमितता की खबर सामने आती है तो सवाल केवल धन के प्रबंधन पर नहीं उठता, बल्कि लोगों की आस्था भी कटघरे में खड़ी हो जाती है।

मथुरा और वृंदावन में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु ठाकुर बांके बिहारी, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। त्योहारों और विशेष आयोजनों के समय भक्तों की संख्या लाखों तक पहुंच जाती है। ऐसे में मंदिरों में चढ़ावे की मात्रा भी काफी बढ़ जाती है। नकद राशि, सोने–चांदी के आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की सुरक्षा और सही उपयोग एक बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है।

हाल के दिनों में देश के कुछ बड़े मंदिरों में चढ़ावे की व्यवस्था को लेकर उठे सवालों ने एक महत्वपूर्ण बहस शुरू कर दी है। सवाल यह है कि क्या धार्मिक संस्थानों में आने वाले दान की निगरानी और प्रबंधन के लिए पर्याप्त पारदर्शी व्यवस्था मौजूद है? क्या मंदिरों में चढ़ने वाली हर भेंट का सही रिकॉर्ड रखा जा रहा है? क्या श्रद्धालुओं को यह जानकारी मिल पा रही है कि उनका दिया हुआ दान किस कार्य में उपयोग हो रहा है?

मंदिरों की व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण चीज विश्वास है। भक्त भगवान पर भरोसा करके दान करता है। वह यह नहीं सोचता कि उसकी छोटी सी भेंट कितनी बड़ी है, बल्कि यह सोचता है कि उसका योगदान भगवान की सेवा में लगेगा। लेकिन यदि व्यवस्था में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की आशंका पैदा होती है तो यह विश्वास कमजोर होने लगता है।

व्यंग्य की स्थिति यह है कि आज कई बार मंदिरों में भगवान के दर्शन से ज्यादा चर्चा व्यवस्था की होने लगी है। भक्त घंटों लाइन में खड़ा होकर दर्शन का इंतजार करता है, लेकिन वह चाहता है कि मंदिर के अंदर चलने वाली व्यवस्था भी उतनी ही अनुशासित और ईमानदार हो। श्रद्धालु अपनी जेब से दिया गया धन वापस नहीं मांगता, लेकिन वह यह जरूर चाहता है कि उसकी श्रद्धा का सम्मान हो।

मथुरा–वृंदावन जैसे धार्मिक क्षेत्रों में मंदिरों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यहां मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान भी हैं। मंदिरों से जुड़ी व्यवस्थाओं में छोटी सी लापरवाही भी बड़ी चर्चा का विषय बन जाती है। इसलिए जरूरी है कि यहां चढ़ावे की गणना, सुरक्षा और उपयोग की प्रक्रिया पूरी तरह आधुनिक और पारदर्शी हो।

आज तकनीक ने हर क्षेत्र में बदलाव ला दिया है। मंदिरों में भी डिजिटल व्यवस्था अपनाकर पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। चढ़ावे की गिनती के दौरान सीसीटीवी निगरानी, डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन लेखा प्रणाली, नियमित ऑडिट और हर लेनदेन का सुरक्षित डेटा तैयार किया जा सकता है। इससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम होगी और मंदिर प्रशासन पर श्रद्धालुओं का विश्वास मजबूत होगा।

कई बड़े धार्मिक संस्थान अब अपनी आय और खर्च का विवरण सार्वजनिक करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। यह व्यवस्था मथुरा–वृंदावन के मंदिरों में भी अपनाई जा सकती है। यदि श्रद्धालुओं को यह पता चले कि उनके द्वारा दिया गया दान धर्मशालाओं, गौसेवा, गरीबों की सहायता, शिक्षा, चिकित्सा और धार्मिक आयोजनों में उपयोग हो रहा है तो उनका भरोसा और मजबूत होगा।

यह भी जरूरी है कि मंदिरों में काम करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। चढ़ावे से जुड़े हर व्यक्ति की भूमिका तय होनी चाहिए। एक व्यक्ति के हाथ में पूरी प्रक्रिया होने के बजाय कई स्तरों पर निगरानी व्यवस्था होनी चाहिए। इससे गलत काम की संभावना कम होती है।

लेकिन इस पूरी चर्चा में एक संतुलन भी जरूरी है। किसी भी आरोप को अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं है। जांच प्रक्रिया अपना काम करती है और दोष साबित होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है। लेकिन साथ ही यह भी सच है कि धार्मिक संस्थानों को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए कि आरोपों की स्थिति ही कम से कम पैदा हो। मंदिरों की सबसे बड़ी ताकत उनकी भव्यता नहीं, बल्कि लोगों की आस्था है। बड़े भवन, सोने के शिखर और विशाल आयोजन तभी सार्थक हैं, जब श्रद्धालुओं का विश्वास मजबूत रहे। यदि भक्तों को लगे कि उनकी भेंट सुरक्षित हाथों में है तो मंदिरों की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी।

आज जरूरत इस बात की है कि मथुरा–वृंदावन के मंदिर केवल धार्मिक आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि पारदर्शी प्रबंधन के उदाहरण भी बनें। मंदिर प्रशासन, सेवायत, कर्मचारी और प्रशासनिक अधिकारियों को मिलकर ऐसी व्यवस्था तैयार करनी होगी, जिसमें हर चढ़ावे का सम्मान हो और हर रुपये का हिसाब स्पष्ट हो। क्योंकि मंदिरों में चढ़ाया गया धन किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होता, वह लाखों–करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का प्रतीक होता है। उस धन की सुरक्षा केवल कानूनी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंत में यही कहा जा सकता है कि भगवान के घर में सबसे बड़ा दान सोना–चांदी नहीं, बल्कि विश्वास होता है। धन की भरपाई संभव है, लेकिन टूटा हुआ भरोसा आसानी से वापस नहीं आता। इसलिए मथुरा–वृंदावन के मंदिरों में चढ़ावे की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जहां पारदर्शिता ही सबसे बड़ा प्रसाद बने और ईमानदारी ही सबसे मजबूत सुरक्षा कवच।

विचार विंडो

पत्रकारिता की आड़ में वसूली, भरोसे पर उठता सवाल

राम प्रकाश शर्मा

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। यह केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी है। पत्रकार का काम सत्ता, व्यवस्था और समाज के बीच एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाना होता है। उसकी कलम का उद्देश्य सच सामने लाना, पीड़ित की आवाज बनना और गलत व्यवस्थाओं पर सवाल उठाना होता है। लेकिन जब कुछ लोग इसी प्रतिष्ठित पहचान का इस्तेमाल डर पैदा करने, दबाव बनाने या निजी लाभ कमाने के लिए करने लगते हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान पत्रकारिता की साख को होता है।

हाल ही में राजस्थान के जयपुर में एक मामले ने इस बहस को फिर हवा दे दी। एक व्यक्ति ने खुद को पत्रकार बताने वाले कुछ लोगों पर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप सही हैं या नहीं, इसका फैसला जांच और अदालत करेगी, लेकिन इस तरह की घटनाएं यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या कुछ लोग पत्रकारिता की पहचान को अपने स्वार्थ के लिए ढाल बना रहे हैं?

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में यह मुद्दा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यहां हजारों पत्रकार गांव, कस्बों और शहरों में रहकर जनता की समस्याओं को सामने लाने का काम करते हैं। कोई सड़क की समस्या उठाता है, कोई अस्पतालों की बदहाली दिखाता है तो कोई भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल खड़े करता है। ऐसे पत्रकारों की वजह से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन कुछ लोगों की गलत गतिविधियां पूरे पत्रकार समुदाय की छवि पर असर डालती हैं।

विडंबना यह है कि असली पत्रकार खबर तलाशता है, जबकि गलत मानसिकता वाला व्यक्ति खबर के नाम पर सौदा तलाशता है। असली पत्रकार को अपनी रिपोर्ट की सच्चाई पर भरोसा होता है, लेकिन फर्जी पहचान रखने वाला व्यक्ति डर और दबाव को अपना हथियार बनाता है। यही अंतर पत्रकारिता और ब्लैकमेलिंग के बीच की सबसे बड़ी रेखा है।

उत्तर प्रदेश में भी समय–समय पर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जहां कुछ लोगों पर पत्रकार होने की आड़ में अवैध वसूली या दबाव बनाने के आरोप लगे। हालांकि ऐसे मामले पूरे पत्रकार समाज की तस्वीर नहीं हैं। आज भी बड़ी संख्या में पत्रकार सीमित संसाधनों में ईमानदारी से काम कर रहे हैं। कई पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर

अपराध, भ्रष्टाचार और सामाजिक समस्याओं को उजागर करते हैं। समस्या यह है कि डिजिटल दौर में पत्रकार बनना आसान दिखाई देने लगा है। सोशल मीडिया पर पेज बनाकर, कैमरा लेकर या कुछ पहचान पत्र दिखाकर कोई भी व्यक्ति खुद को पत्रकार बताने लगता है। ऐसे में आम लोगों के लिए असली और नकली पत्रकार में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति में प्रशासन, मीडिया संस्थानों और समाज सभी की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

पत्रकारिता के नाम पर किसी व्यक्ति या संस्था को डराना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि समाज के भरोसे के साथ भी धोखा है। यदि कोई व्यक्ति खबर प्रकाशित करने या रोकने के बदले पैसे मांगता है तो वह पत्रकारिता नहीं कर रहा, बल्कि अपराध कर रहा है। खबर जनता की जानकारी के लिए होती है, किसी की मजबूरी का फायदा उठाने के लिए नहीं।

उत्तर प्रदेश में जरूरत है कि पत्रकारिता के क्षेत्र में पहचान और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत हो। मीडिया संस्थानों को भी अपने नाम का गलत इस्तेमाल रोकने के लिए सतर्क रहना चाहिए। प्रशासन को शिकायतों पर निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि दोषियों पर कार्रवाई हो और ईमानदार पत्रकारों को परेशानी न झेलनी पड़े। समाज को भी समझना होगा कि किसी एक घटना के आधार पर पूरे पत्रकार समुदाय को संदेह की नजर से देखना सही नहीं है। जैसे हर क्षेत्र में अच्छे और गलत लोग होते हैं, वैसे ही पत्रकारिता में भी अंतर होता है। कुछ लोगों की गलत हरकतों के कारण उन हजारों पत्रकारों के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जो हर दिन जनहित में काम कर रहे हैं।

आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि कलम की ताकत का इस्तेमाल किसलिए हो रहा है? क्या वह कमजोर की आवाज बनेगी या फिर दबाव बनाने का माध्यम बनेगी? पत्रकारिता का सम्मान तभी कायम रहेगा, जब पत्रकार अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों को भी समझेंगे।

लोकतंत्र में मजबूत मीडिया जरूरी है, लेकिन मजबूत मीडिया वही है जो निष्पक्ष हो, निर्भीक हो और विश्वसनीय हो। कलम की असली ताकत किसी को डराने में नहीं, बल्कि सच को सामने लाने में है। यदि पत्रकारिता विश्वास खो देगी तो समाज का एक महत्वपूर्ण स्तंभ कमजोर हो जाएगा।

इसलिए जरूरी है कि पत्रकारिता की गरिमा बचाने के लिए भीतर से भी सुधार हो और बाहर से भी निगरानी। खबर जनता की सेवा बने, कमाई का दबाव बनाने का साधन नहीं। क्योंकि कलम जब सच लिखती है तो समाज बदलती है, लेकिन जब वह सौदेबाजी का जरिया बनती है तो विश्वास को चोट पहुंचाती है।

लॉर्ड्स वनडे से पहले इंग्लैंड का बड़ा दांव, दो खिलाड़ी अचानक हुए रिलीज

भारत–इंग्लैंड तीसरे वनडे से पहले अहम अपडेट

सीरीज फिलहाल 1–1 की बराबरी पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है। शुरुआती दो मुकाबलों के बाद सीरीज 1–1 से बराबर है और अब 19 जुलाई को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। इस अहम मैच से पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने स्क्वाड से टॉम बैंटन और लियम डॉसन को रिलीज कर दिया है। दोनों खिलाड़ियों को 18 जुलाई को होने वाले टी 20 ब्लास्ट फाइनल डे में अपनी–अपनी काउंटी टीमों की ओर से खेलने की अनुमति दी गई है। लियम डॉसन को इस वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में खेलने का मौका मिला था। उन्होंने दबाव की स्थिति में 68 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और जो रूट के साथ 121 रन की साझेदारी की थी। हालांकि दूसरे वनडे में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। वहीं टॉम बैंटन को शुरुआती दोनों मुकाबलों में मौका नहीं मिला। अब दोनों खिलाड़ी टी 20 ब्लास्ट में अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इंग्लैंड ने उनकी जगह किसी नए खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है। उधर, भारतीय टीम में भी बदलाव लगभग तय माना जा रहा है।

दूसरे वनडे में बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हुए वाशिंगटन सुंदर तीसरे मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। ऐसे में उनकी जगह स्पिनर कुलदीप यादव को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है। कुलदीप पहले दोनों मुकाबलों में अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं बन सके थे। लॉर्ड्स वनडे दोनों टीमों के लिए 'करो या मरो' जैसा मुकाबला होगा। एक ओर इंग्लैंड घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर सीरीज जीतना चाहेगा, तो दूसरी ओर भारतीय टीम लगातार दूसरी द्विपक्षीय वनडे सीरीज अपने नाम करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में खिलाड़ियों के चयन और रणनीति पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

'वाराणसी' से सामने आया 'मंदाकिनी' का फर्स्ट लुक

जन्मदिन पर प्रियंका का दमदार सरप्राइज

यूनिक समय, नई दिल्ली। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा के 44वें जन्मदिन पर निर्देशक एस.एस. राजामौली ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' से उनका पहला लुक जारी कर फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म में प्रियंका 'मंदाकिनी' के दमदार किरदार में नजर आएंगी। राजामौली ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर दो पोस्टर साझा किए हैं, जिनमें प्रियंका के किरदार के अलग–अलग भाव देखने को मिलते हैं। पहले पोस्टर में प्रियंका काले परिधान में बेहद आक्रामक और गंभीर अंदाज में दिखाई दे रही हैं, जबकि दूसरे पोस्टर में वह मुस्कुराती हुई शांत और सौम्य रूप में नजर आती हैं। पोस्टर शेयर करते हुए राजामौली ने लिखा, "जब वह मुस्कुराती हैं, तो सौम्य होती हैं और जब नहीं, तो आग की तरह होती हैं। 'वाराणसी' में मंदाकिनी के रूप में प्रियंका चोपड़ा।" बताया जा रहा है कि फिल्म में मंदाकिनी का किरदार कहानी का अहम हिस्सा होगा। यह किरदार शक्ति, संवेदनशीलता और रहस्य का अनोखा मिश्रण है। वहीं फिल्म में महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। 'वाराणसी' को एस.एस. राजामौली की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म में साइंस फिक्शन, टाइम ट्रैवल और भारतीय पौराणिक कथाओं का अनोखा मेल देखने को मिलेगा। मेकर्स के अनुसार यह मेगा–बजट फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' में कंटेस्टेंट के बयान पर बवाल

बिहार की कंटेस्टेंट साक्षी झा के बयान पर विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' का तीसरा एपिसोड रिलीज होते ही विवादों में आ गया है। बिहार की टीचर और सोशल मीडिया क्रिएटर साक्षी झा अपने ऑडिशन के दौरान दिए गए बयानों को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गई हैं। उन्होंने खुद को 'मैन–हेटर' बताते हुए पुरुषों के खिलाफ कई विवादित टिप्पणियां कीं, जिसके बाद इंटरनेट पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। ऑडिशन के दौरान साक्षी ने कहा कि उन्हें पुरुषों का अहंकार तोड़ने में मजा आता है और उन्होंने अपने पिता व भाई के प्रति भी नकारात्मक बातें कहीं। इसके अलावा उन्होंने बिहार के पुरुषों को लेकर भी टिप्पणी की, जिसे कई लोगों ने आपत्तिजनक बताया। शो के जज तन्मय भट्ट, विशाल ददलानी, रघु राम, यशराज मेहरा और होस्ट समय रैना ने उनकी प्रस्तुति को कोई अंक नहीं दिया। वह इस सीजन की पहली कंटेस्टेंट बन गईं, जिन्हें सभी पैनलिस्ट से शून्य अंक मिले। एपिसोड के प्रसारित होने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने साक्षी के बयान की आलोचना की। कई लोगों ने इसे महिलाओं और पुरुषों के बीच अनावश्यक नफरत फैलाने वाला बताया, जबकि कुछ यूजर्स ने इसे केवल स्टैंड–अप कॉमेडी का हिस्सा मानते हुए अलग राय भी रखी।

सलमान के बाद आमिर खान को धमकी! सोशल मीडिया पोस्ट से मचा हड़कंप

सोशल मीडिया पर आमिर खान को कथित धमकी वाला पोस्ट वायरल

आमिर पहले ही धर्म परिवर्तन के आरोपों का कर चुके हैं खंडन

पोस्ट में "लव जिहाद" को लेकर लगाए गए आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में अपनी तीसरी शादी को लेकर चर्चा में आए अभिनेता को अब सोशल मीडिया पर कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। वायरल पोस्ट में दावा किया गया है कि यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से दी गई है। हालांकि, इस पोस्ट और उससे जुड़े ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में आमिर खान पर "लव जिहाद" को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए गए हैं। पोस्ट में दावा किया गया कि यह देश और सनातन संस्कृति के खिलाफ है तथा इसके लिए उन्हें "जवाब" दिया जाएगा। इसके साथ ही अभिनेता को कथित रूप से गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी गई है। वायरल पोस्ट में राजस्थान के श्रीगंगानगर की एक घटना का भी जिक्र करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है। गौरतलब है कि आमिर खान ने हाल ही में अपनी तीसरी शादी के बाद उन पर लगाए गए "लव जिहाद" के आरोपों का जवाब दिया था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि उनकी किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया है। आमिर ने यह भी बताया था कि उनकी पत्नी गौरी स्प्रैट हिंदू नहीं बल्कि ईसाई समुदाय से हैं। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ लगातार अलग–अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी बॉलीवुड कलाकार को कथित तौर पर बिश्नोई गैंग के नाम से धमकी मिलने की खबर सामने आई हो। इससे पहले सलमान खान को कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। उनके मुंबई स्थित घर के बाहर फायरिंग की घटना के बाद उनकी सुरक्षा भी बढ़ा दी गई थी। इसके अलावा कुछ अन्य कलाकारों और गायकों के नाम भी ऐसे मामलों में सामने आ चुके हैं। फिलहाल आमिर खान की ओर से इस वायरल पोस्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं संबंधित एजेंसियां और पुलिस ऐसे मामलों में सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री की सत्यता की जांच करती हैं। जब तक आधिकारिक पुष्टि न हो, वायरल पोस्ट या ऑडियो को प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता।

मेसी के निशाने पर इतिहास, फाइनल में टूट सकते हैं वर्ल्ड रिकॉर्ड

दो बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाले पहले कप्तान बनने का मौका

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल 19 जुलाई को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेला जाएगा। दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों की नजरें इस महामुकाबले पर टिकी हैं, लेकिन सबसे अधिक चर्चा अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी को लेकर हो रही है। अपने करियर के अंतिम विश्व कप अभियानों में से एक माने जा रहे इस टूर्नामेंट में मेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को लगातार दूसरे फाइनल तक पहुंचाया है। अब उनके पास न सिर्फ विश्व कप ट्रॉफी बचाने का मौका है, बल्कि कई ऐसे ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी हैं जिन्हें छूना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मौजूदा विश्व कप में मेसी अब तक 8 गोल कर चुके हैं और पूरे टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी साबित हुए हैं। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी कप्तानी और खेल ने टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अब स्पेन के खिलाफ होने वाला मुकाबला उनके करियर का एक और ऐतिहासिक अध्याय लिख सकता है। सबसे बड़ा रिकॉर्ड दो बार विश्व कप जीतने वाले पहले कप्तान बनने का है। मेसी ने 2022 में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। यदि इस बार भी अर्जेंटीना ट्रॉफी जीतता है, तो वह फुटबॉल इतिहास के पहले कप्तान बन जाएंगे जिन्होंने दो बार फीफा वर्ल्ड कप अपने नाम किया हो। यह उपलब्धि उन्हें महानतम कप्तानों की सूची में सबसे ऊपर पहुंचा सकती है। इसके अलावा मेसी के पास गोल करने का भी बड़ा रिकॉर्ड बनाने का अवसर है। ब्राजील के महान स्ट्राइकर रोनाल्डो नजारियो ने 2002 विश्व कप में 8 गोल कर अपनी टीम को चैंपियन बनाया था। मेसी भी इस विश्व कप में 8 गोल कर चुके हैं। यदि वह फाइनल में एक और गोल करते हैं और अर्जेंटीना खिताब जीत जाता है, तो वह विश्व कप जीतने वाली टीम की ओर से एक संस्करण में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। साथ ही उनका गोल्डन बूट जीतना भी लगभग तय माना जा रहा है। एक और बड़ी उपलब्धि गोल्डन बॉल अवॉर्ड से जुड़ी है। मेसी 2014 और 2022 में यह सम्मान जीत चुके हैं और दो बार गोल्डन बॉल जीतने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी हैं। यदि फाइनल में उनका प्रदर्शन निर्णायक रहता है, तो वह तीसरी बार यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अर्जेंटीना अगर लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने में सफल रहता है, तो मेसी सबसे अधिक उम्र में लगातार दो विश्व कप जीतने वाले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। यह रिकॉर्ड फिलहाल ब्राजील के महान खिलाड़ी निल्टन सैंटोस के नाम दर्ज है। स्पेन के खिलाफ फाइनल आसान नहीं होगा। स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में तेज आक्रामक फुटबॉल खेलते हुए फ्रांस जैसी मजबूत टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। दूसरी ओर अर्जेंटीना अनुभव, संतुलित टीम और मेसी की कप्तानी के दम पर मैदान में उतरेगा। यही कारण है कि यह मुकाबला सिर्फ दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि इतिहास और भविष्य के बीच भी माना जा रहा है।

गैरी सोबर्स को क्रिकेट जगत की भावभीनी विदाई

सचिन–कोहली समेत दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

यूनिक समय, नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के निधन से क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। अपने 90वें जन्मदिन से महज 11 दिन पहले उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर भारत के दिग्गज क्रिकेटरों सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और सुनील गावस्कर समेत दुनिया भर के खिलाड़ियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सर गैरी सोबर्स सिर्फ महान क्रिकेटर ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा थे। वहीं विराट कोहली ने उन्हें खेल का सच्चा दिग्गज बताते हुए कहा कि उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने भावुक शब्दों में कहा, "क्रिकेट ने अपना सबसे चमकता हीरा खो दिया है।" उन्होंने कहा कि सोबर्स जैसा ऑलराउंडर शायद ही दोबारा देखने को मिले। सर गैरी सोबर्स को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान ऑलराउंडरों में गिना जाता है। उन्होंने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों क्षेत्रों में असाधारण प्रदर्शन किया। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 8,000 से अधिक रन और 235 विकेट दर्ज हैं। 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 365 रन की उनकी पारी लंबे समय तक विश्व रिकॉर्ड रही। सोबर्स के निधन के साथ क्रिकेट ने अपने स्वर्णिम दौर के सबसे बड़े सितारों में से एक को खो दिया। दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमी और पूर्व खिलाड़ी उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले में टिन्नू-मनीष से पूछताछ शुरू

पूछताछ में खुल सकते हैं कई राज

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और उसके भतीजे मनीष यादव को 39 घंटे की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शनिवार सुबह पुलिस दोनों आरोपियों को जिला जेल से लेकर पुलिस लाइन पहुंची, जहां उनसे मामले से जुड़े अहम सवाल किए जा रहे हैं।

जेल से बाहर निकलते समय टिन्नू और मनीष अपना चेहरा गमछे से छिपाते नजर आए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कथित रूप से चढ़ावे की रकम कब और कैसे निकाली गई, उसका बंटवारा किस तरह हुआ और पैसा कहां इस्तेमाल किया गया।

जांच एजेंसियों के अनुसार, टिन्नू मंदिर के दानपात्रों की देखरेख से जुड़ा था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस पहले ही दोनों के ठिकानों से लाखों रुपये बरामद करने का दावा कर चुकी है। इसके अलावा मामले में छह अन्य आरोपियों से भी पूछताछ हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस अब कथित रकम के इस्तेमाल, संपत्तियों में निवेश और अन्य संभावित कड़ियों की जांच कर रही है। रियल एस्टेट, निर्माण कार्य और संदिग्ध लेनदेन से जुड़े पहलुओं पर भी नजर रखी जा रही है। उधर, चढ़ावा चोरी की घटना के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से प्रायश्चित अनुष्ठान जारी है।

रकम और निवेश की होगी जांच

ट्रस्ट कर रहा प्रायश्चित अनुष्ठान जारी

मंदिर परिसर में 18 पुजारी और पांच आचार्य वैदिक मंत्रोच्चार, रुद्राभिषेक और हवन कर रहे हैं। यह विशेष अनुष्ठान 10 दिनों तक चलने वाला है। इस बीच मामले की जांच को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले में यूपी सरकार, केंद्र और ट्रस्ट से जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी है। अब सभी की नजर पुलिस पूछताछ और आगे होने वाले खुलासों पर टिकी है।

बहू ने ससुर पर ब्लेड से किया हमला, जांच शुरू

यूनिक समय, मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना क्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 23 वर्षीय महिला ने अपने 67 वर्षीय ससुर पर ब्लेड से हमला कर दिया। घटना में ससुर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, महिला ने नाखून काटने वाले ब्लेड से हमला किया। पूछताछ में महिला ने आरोप लगाया कि ससुर लंबे समय से उसके साथ गलत व्यवहार और छेड़छाड़ कर रहे थे। महिला का कहना है कि विरोध के बावजूद स्थिति नहीं बदली, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया। घटना के समय महिला का पति काम के सिलसिले में बाहर था। वह अपने दो बच्चों के साथ ससुर के घर में रहती थी। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि महिला के आरोपों और घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने ससुर पर लगाए गंभीर आरोप

पुलिस हर पहलू से कर रही जांच

टैटू बनवाना पड़ा भारी, महिला मिली एचआईवी पॉजिटिव

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर की एक महिला के लिए टैटू बनवाने का शौक परेशानी का कारण बन गया। दिल्ली के एक टैटू स्टूडियो में टैटू बनवाने के कुछ समय बाद महिला की तबीयत खराब हुई। जांच में उसके एचआईवी संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

महिला संक्रमण की शिकायत लेकर कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज पहुंची थी। डॉक्टरों ने जांच के दौरान एचआईवी, हेपेटाइटिस-बी समेत कई परीक्षण कराए, जिसमें एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद महिला को एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी सेंटर से जोड़ा गया। विशेषज्ञों के अनुसार, टैटू बनाते समय यदि सुई और उपकरण पूरी तरह स्टरलाइज न हों तो संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि संक्रमण का वास्तविक कारण चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकता है।

लापरवाही से बढ़ा संक्रमण का खतरा

डॉक्टरों ने सावधानी बरतने की दी सलाह

डॉक्टरों ने बताया कि एचआईवी का स्थायी इलाज नहीं है, लेकिन समय पर उपचार और नियमित दवाओं से संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि टैटू हमेशा साफ-सुथरे और प्रमाणित स्टूडियो से ही बनवाएं।

हत्या की साजिश का खुलासा

मेरठ में सांप से हत्या की साजिश पत्नी की करतूत से सनसनी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में एक सनसनीखेज हत्या मामले ने पुलिस को भी हैरान कर दिया। हस्तिनापुर क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत की जांच के दौरान पुलिस ने कथित साजिश का खुलासा करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार, कृष्णा किड्स प्ले स्कूल संचालक अतुल पंवार की मौत को शुरुआत में सांप के काटने की घटना माना गया था। लेकिन जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर मामले की दिशा बदल गई।

पुलिस का दावा है कि मृतक की पत्नी दामिनी ने कथित प्रेमी तुषार उर्फ निक्की के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। आरोप है कि पति को नशीला पदार्थ देने के बाद जहरीले सांप से डसवाने की साजिश रची गई।

बीमा रकम और प्रेम संबंध जांच के घेरे

पत्नी समेत दो आरोपी पुलिस गिरफ्त में

जांच में 20 लाख रुपये की बीमा राशि और कथित प्रेम संबंध को हत्या की वजह बताया जा रहा है। पुलिस ने पत्नी और उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, मामले में अंतिम फैसला अदालत में साक्ष्यों के आधार पर होगा।

आगरा में तोता लापता, मालिक ने रखा 50 हजार इनाम

यूनिक समय, आगरा। आगरा में एक पालतू तोते के गायब होने की कहानी लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। अपने तोते को परिवार का सदस्य मानने वाले एक वकील ने उसे खोजने के लिए शहरभर में होर्डिंग और पोस्टर लगवा दिए हैं। उन्होंने तोता वापस लाने वाले को 50 हजार रुपये इनाम देने का ऐलान किया है।

आवास विकास क्षेत्र निवासी वकील सुनील कुमार का तोता 'माऊ' पांच दिन पहले तेज हवा के दौरान उनके कंधे से उड़ गया था। इसके बाद परिवार ने उसे काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

सुनील के मुताबिक, माऊ सिर्फ एक पक्षी नहीं बल्कि परिवार का हिस्सा था। वह उन्हें 'पापा' और उनकी पत्नी को 'मम्मी' कहकर बुलाता था। तोते के गायब होने से बच्चे काफी दुखी हैं।

परिवार ने बताया कि कई लोगों के फोन आए, लेकिन उन्हें कोई दूसरा तोता नहीं चाहिए। वे सिर्फ अपने प्यारे माऊको वापस चाहते हैं। लापता तोता इंडियन रिंगनेक नस्ल का है।

कुल्फी गिरी जमीन पर, शिकायत पहुंची मुख्यमंत्री तक

यूनिक समय, फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां कुल्फी की छोटी डंडी को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंच गई।

टूंडला क्षेत्र के एक युवक ने बस स्टैंड स्थित दुकान से कुल्फी खरीदी थी। आरोप है कि कुल्फी की डंडी छोटी होने के कारण वह हाथ से छूटकर जमीन पर गिर गई। युवक ने जब दुकानदार से इसकी शिकायत की तो वहां मौजूद कर्मचारियों से उसकी कहासुनी हो गई।

युवक का कहना है कि उसे नुकसान हुआ और शिकायत करने पर

छोटी डंडी बनी बड़े विवाद की वजह

युवक ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत

उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इसके बाद उसने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर मामले की शिकायत दर्ज कर जांच की मांग की। मामला सामने आने के बाद लोग भी हैरान हैं कि एक छोटी सी कुल्फी की डंडी से शुरू हुआ विवाद प्रशासन तक पहुंच गया। अब संबंधित विभाग मामले की जांच कर कार्रवाई करेगा।

ईडी जांच में विदेशी फंडिंग नेटवर्क का बड़ा खुलासा

संदिग्ध लेनदेन और खातों की जांच तेज

यूनिक समय, लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में कथित अवैध घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े मामले में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। एजेंसी की जांच में विदेशी फंडिंग, संदिग्ध वित्तीय लेनदेन और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से जुड़े इनपुट मिले हैं। इसके बाद संबंधित संस्थाओं और बैंक खातों की जांच तेज कर दी गई है।

ईडी ने पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा समेत कई स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुछ एनजीओ और अन्य संस्थाओं से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए, जिनकी जांच की जा रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि विदेशों से आने वाली रकम का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया और किन माध्यमों से इसका लेनदेन हुआ।

जांच में कुछ ऐसे बैंक खातों की जानकारी भी सामने आई है, जिनमें नियमों की अनदेखी कर खाता खोलने और वित्तीय गतिविधियां संचालित करने के आरोप हैं। ईडी अब संबंधित बैंकों से भी जानकारी लेने की तैयारी कर रही है।

अधिकारियों के अनुसार, जांच का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध नेटवर्क, फंडिंग के स्रोत और उससे जुड़े लोगों की पहचान करना है। एजेंसी विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) से जुड़े खातों और लेनदेन की भी पड़ताल कर रही है।

कई राज्यों में छापेमारी के बाद कार्रवाई

जांच एजेंसियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश समेत कुछ राज्यों में पहले भी अवैध घुसपैठ से जुड़े मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। एटीएस ने पिछले वर्षों में कई मॉड्यूल का खुलासा किया था और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई थी।

ईडी की इस कार्रवाई के बाद अब उन संस्थाओं और लोगों पर नजर रखी जा रही है, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई जा रही हैं। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी वित्तीय नेटवर्क को तोड़ने और संदिग्ध लेनदेन पर रोक लगाने की दिशा में काम कर रही है।

छह महीने भरोसा जीता, फिर नौकरानी लाखों के जेवर लेकर फरार

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ताजगंज क्षेत्र में घरेलू काम करने वाली महिला पर लाखों रुपये के गहने चोरी कर फरार होने का आरोप लगा है। विभव नगर निवासी संध्या वर्मा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि अंजू नाम की महिला पिछले छह महीने से उनके घर में झाड़ू-पोंछा और अन्य काम कर रही थी।

पीड़िता के मुताबिक, 9 जुलाई को अंजू काम करने आई और अचानक घर से चली गई। अगले दिन संपर्क करने पर

सीसीटीवी में कैद हुई संदिग्ध गतिविधियां

उसका मोबाइल बंद मिला। शक होने पर जब अलमारी और ड्रॉअर की जांच की गई तो सोने और डायमंड के कई आभूषण गायब मिले। परिवार ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो फुटेज में महिला एक पर्स लेकर आती और उसमें सामान रखकर जाते दिखाई दी। इसके बाद परिवार उसके बताए पते पर पहुंचा, लेकिन वह वहां नहीं मिली।

जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक को पुलिस ने अस्पताल भेजा

कॉकरोच पार्टी फाउंडर दीपके पर महिला ने फेंकी स्याही

यूनिक समय, नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के दौरान शनिवार को तनाव की स्थिति बन गई। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। इसी दौरान मंच के पास बैठे पहुंचे दीपके पर एक महिला ने स्याही फेंक दी।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने स्याही फेंकने वाली महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अभिजीत दीपके ने सोनम वांगचुक के समर्थन में आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

इससे पहले सुबह करीब सात बजे दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम जंतर-मंतर पहुंची। पुलिस ने 21 दिनों से भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक को स्वास्थ्य कारणों से एंबुलेंस के जरिए सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कार्रवाई का विरोध किया और

सीजेपी पार्टी का जंतर-मंतर पर हंगामा

प्रदर्शन स्थल पर बढ़ा पुलिस बल

मौके पर नारेबाजी की। बताया जा रहा है कि लंबे उपवास के कारण वांगचुक की तबीयत बिगड़ रही थी। उनका वजन भी काफी कम हो गया था। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश के बाद उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच और जरूरत पड़ने पर इलाज की व्यवस्था करने के आदेश दिए गए थे। सोनम वांगचुक पेपर लीक मामले की जांच और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन कर रहे थे। उनके साथ कुछ छात्र भी भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इनमें ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन से जुड़े छात्र शामिल हैं। प्रदर्शन में शामिल छात्रों की तबीयत भी खराब बताई जा रही है। एक छात्रा को ब्लड शुगर कम होने की समस्या के चलते अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई है, जबकि अन्य छात्रों की भी मेडिकल निगरानी की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि वांगचुक को स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं प्रदर्शनकारी इस कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं और आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं। जंतर-मंतर पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

वांगचुक मामले पर सियासत तेज

केजरीवाल और अखिलेश यादव ने साधा निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वांगचुक को जबरन हटाना सरकार की हार है। उन्होंने कहा कि सरकार को बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए था।

वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर देश और दुनिया में चिंता जताई जा रही है।

प्रदर्शन से जुड़े अभिजीत दीपके ने सोनम वांगचुक के समर्थन में भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आंदोलन जारी रहेगा और आगे संसद तक मार्च किया जाएगा।

इस बीच सोनम वांगचुक की पत्नी ने आरोप लगाया कि उन्हें मेडिकल रिपोर्ट साझा नहीं की जा रही है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें चिकित्सा निगरानी में अस्पताल पहुंचाया गया है।

विक्रम-1 की सफल उड़ान, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बड़ी छलांग

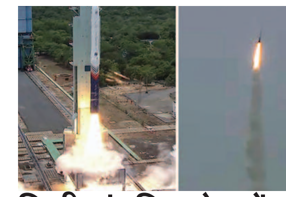

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। स्काईरूट एयरोस्पेस के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 ने सफलतापूर्वक उड़ान भरते हुए छह पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) में स्थापित कर दिया। इस उपलब्धि के साथ भारत में निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष मिशनों का नया रास्ता खुल गया है।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से विक्रम-1 का प्रक्षेपण किया गया। शुरुआती तकनीकी प्रक्रिया के बाद मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को बधाई देते हुए इसे भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र का ऐतिहासिक अध्याय बताया।

इस मिशन को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया है। यह विक्रम-1 रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान है, जिसके जरिए कंपनी ने अपने स्वदेशी ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल की क्षमता का प्रदर्शन किया। रॉकेट के माध्यम से दो उपग्रहों समेत छह पेलोड अंतरिक्ष में भेजे गए हैं।

विक्रम-1 की लंबाई करीब 24 मीटर है और इसे छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में पहुंचाने के लिए तैयार किया गया है। यह हल्के कार्बन-कॉम्पोजिट ढांचे से बना है, जिससे इसकी क्षमता

निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में नई शुरुआत

छह पेलोड पहुंचे कक्षा में सफल

और दक्षता बढ़ती है। रॉकेट में तीन सॉलिड प्रोपल्शन स्टेज और एक ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल लगाया गया है, जो अलग-अलग कक्षाओं में उपग्रह स्थापित करने में मदद करता है।

मिशन के साथ कई खास पेलोड भी भेजे गए हैं। इनमें लैब में तैयार डायमंड लोटस, माइक्रोआर्ट और वैज्ञानिकों की सूक्ष्म प्रतिमाओं वाला छोटा रॉकेट शामिल है। इसके अलावा प्रधानमंत्री का हस्तलिखित पोस्टकार्ड और कई संदेश भी अंतरिक्ष यात्रा का हिस्सा बने हैं। विशेषज्ञों के अनुसार विक्रम-1 की सफलता भारत को छोटे उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में मजबूत स्थिति दिला सकती है। वर्ष 2020 के बाद अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ी है और यह मिशन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

होर्मुज संकट गहराया, अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट का दावा सामने आया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इसके लिए समुद्री माइंस को जिम्मेदार बताया है, जबकि अमेरिका ने इस दावे को खारिज किया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री क्षमताओं को निशाना बनाकर लगातार सातवीं रात कार्रवाई की।

तेल टैंकर विस्फोट पर अलग-अलग दावे

ईरान ने दी जवाबी कार्रवाई चेतावनी

वहीं ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि जमीनी हमला किया गया तो वह क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है।

इस बीच दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका पर नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। वहीं अमेरिका लगातार सैन्य अभियानों की जानकारी साझा कर रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के प्रमुख तेल मार्गों में शामिल है, इसलिए यहां बढ़ता तनाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर असर डाल सकता है। क्षेत्रीय हालात पर दुनियाभर की नजर बनी हुई है।

भगवान के दरबार पहुंची इंसाफ की पुकार, अनोखा विरोध

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के भीलवाड़ा में न्याय की मांग को लेकर एक अनोखा विरोध देखने को मिला। जब प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर लोगों का धैर्य जवाब देने लगा, तो सर्व समाज के लोगों ने अपनी फरियाद भगवान चारभुजा नाथ के दरबार तक पहुंचाई।

महात्मा गांधी चिकित्सालय में प्रसूता मौत मामले को लेकर लोगों में लगातार नाराजगी बनी हुई है। आरोप है कि अस्पताल में कथित लापरवाही के कारण पांच महिलाओं की मौत हुई थी। घटना के बाद पीड़ित परिवारों और सामाजिक संगठनों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई, लेकिन कार्रवाई में देरी से आक्रोश बढ़ता गया।

इसी बीच शनिवार को बड़ी संख्या में युवाओं और सामाजिक संगठनों के लोगों ने न्याय पदयात्रा निकाली। भीमगंज थाने से शुरू हुई यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई ऐतिहासिक श्री चारभुजा नाथ मंदिर पहुंची। इस दौरान लोगों ने जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारे लगाए। मंदिर पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन देने के बजाय भगवान चारभुजा नाथ के चरणों में अपनी अर्जी रखी। लोगों ने प्रार्थना की कि मामले की सच्चाई जल्द सामने आए और दोषियों को कड़ी सजा मिले।

न्याय के लिए निकली भावुक पदयात्रा

मंदिर में सौंपा गया पीड़ितों का ज्ञापन

स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 450 वर्ष पुराना चारभुजा नाथ मंदिर शहर की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से की गई प्रार्थना सुनी जाती है। इसी विश्वास के साथ लोगों ने न्याय की गुहार भगवान के दरबार में लगाई। अब सभी की नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

रायपुर में एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत से सनसनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। रायपुर में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध मौत से इलाके में हड़कंप मच गया। घर के अंदर मिले शवों ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। पुलिस शुरुआती जांच में आत्महत्या की आशंका जता रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए हर पहलू की जांच की जा रही है।

मृतकों की पहचान 50 वर्षीय साजिद अली, उनकी पत्नी राबिया और उनके तीन बच्चों के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। फोरेंसिक टीम ने भी जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य जांच के

घर में मिला पांचों का संदिग्ध शव

पुलिस जुटी मौत की वजह तलाशने में

बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल परिवार की आर्थिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों की भी पड़ताल की जा रही है।

देश के अलग-अलग हिस्सों में हाल के समय में परिवार के कई सदस्यों की एक साथ मौत के मामले सामने आए हैं। ऐसे मामलों में मानसिक तनाव, पारिवारिक विवाद और सामाजिक दबाव जैसे कारणों की जांच की जाती है।

घरेलू विवाद में रिटायर्ड फौजी की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के भागलपुर जिले में घरेलू विवाद ने एक परिवार को झकझोर कर रख दिया। नाथनगर थाना क्षेत्र में सेवानिवृत्त फौजी की मौत के मामले में उसके बेटे पर हत्या का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सेना से रिटायर्ड सूबेदार विष्णुदेव यादव का देर रात किसी बात को लेकर बेटे से विवाद हो गया। आरोप है कि कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया और बेटे विनीत कुमार ने ईंट से पिता के सिर पर हमला कर दिया।

गंभीर रूप से घायल विष्णुदेव को अस्पताल ले जाया गया, जहां

बेटे पर ईंट से हमला करने आरोप

मां की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार

डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक की पत्नी बेबी देवी की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया।

पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की जांच जारी है। परिजनों के अनुसार, पिता-पुत्र के बीच पहले भी विवाद होते रहते थे। इस घटना से परिवार में मातम छा गया है।

डीएम-एसएसपी ने सुनीं समस्या अधिकारियों को दिए निर्देश

गोवर्धन तहसील में आयोजित समाधान दिवस में शिकायत सुनते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह।

छाता तहसील दिवस में आई 70 शिकायतें

चेयरमैन प्रतिनिधि ने की बिजली अव्यवस्थाओं की शिकायत

मांट में आई 40 शिकायतें, चार का हुआ निस्तारण

यूनिक समय, गोवर्धन। शनिवार को तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने फरियादियों की समस्याओं को सुना। 45 फरियादियों ने समस्या से अवगत कराया। डीएम सीपी सिंह ने बताया कि फरियादियों की ज्यादातर शिकायत चक रोड के संबंध में आ रही हैं। एक युवक करीब बीस बार समाधान दिवस में शिकायत करने आ चुका है। कई बार टीम भेजकर पैमाइश करा दी गई है। वह संतुष्ट नहीं है, उसके लिए आज फिर एसडीएम सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम बनाकर मौके पर जमीन की पैमाइश के लिए भेजा गया था। जिसमें उसने अपनी मालिकाना जमीन से ज्यादा जोत रखी थी, उसके बावजूद भी संतुष्ट नहीं है। पैमाइश के बाद जमीन को निकाला गया है। इस अवसर पर एसडीएम सुशील कुमार सिंह, सीओ अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी विनय कुमार मिश्र मौजूद रहे।

वहीं छाता तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नवागत एसडीएम अखिलेश कुमार और सीओ भूषण वर्मा के समक्ष सुनवाई के लिए 70 शिकायतें आई। छह शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। चेयरमैन प्रतिनिधि फाल्गुन उर्फ कान्हा के नेतृत्व में भारी संख्या में कस्बे के लोग बिजली की समस्या को लेकर समाधान दिवस में पहुंचे। चेयरमैन प्रतिनिधि ने कहा कि यदि विद्युत समस्या का अति शीघ्र निस्तारण नहीं किया गया तो मजबूरन व्यवस्था को सुधारने का काम स्वयं जनता करेगी। समस्या का समाधान मंगलवार तक न होने पर तहसील पर ही सोने की बात कही। एसडीएम ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। समाधान दिवस में तहसीलदार सचिन पवार नायब तहसीलदार अनमोल गर्ग, वीडियो छाता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सुरीर। मांट तहसील में आयोजित समाधान दिवस में नवागत एसडीएम मांट चंद्र भूषण प्रताप और सीओ अमरनाथ यादव के समक्ष 40 शिकायतें आई। चार का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। तहसीलदार सुशील कुमार गुप्ता, बीडीओ मांट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम छाता ने बताई प्राथमिकताएं

यूनिक समय, मथुरा। छाता के नवागत एसडीएम अखिलेश कुमार ने कहा कि उनकी पहले प्राथमिकता तहसील स्तर पर प्रशासनिक पारदर्शिता और कार्यकुशलता को बढ़ावा देना है। इसके लिए जल्द ही तहसील के विभिन्न सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। लापरवाही बरतने वाले या समय पर दफ्तर न पहुंचने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही। छाता कस्बा की यातायात की अच्छी व्यवस्था को बिगाड़ने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी। सड़कों और सार्वजनिक जमीनों पर अवैध अतिक्रमण करने वाले तुरंत खुद ही इसे हटा लें नहीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन जल्द ही सघन अभियान चलाएगा।

अहमदाबाद पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, नौ लोगों की मौत

15 लोग गंभीर घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग के बाद लगातार धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस के अनुसार फैक्टरी बिना लाइसेंस संचालित हो रही थी। हादसे के कारणों और सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है।

तीन महीने तक दबाए रखा आवेदन नगर, आयुक्त ने लिपिक का वेतन रोका

जनसुनवाई में खुली लापरवाही की पोल कारण बताओ नोटिस जारी

जनहित के मामलों में ढिलाई किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं: राज

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम की जनसुनवाई में एक नामांतरण प्रकरण में बड़ी लापरवाही सामने आई। तीन महीने से लंबित आवेदन पर कोई कार्रवाई न होने और संबंधित पत्रावली का पता नहीं चलने पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने संबंधित कार्यवाहक लिपिक को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ संतोषजनक जवाब मिलने तक वेतन रोकने के निर्देश दिए।

अभिषेक कुमार पुत्र स्व. मोहन कुमार शर्मा ने शिकायत करते हुए बताया कि उनके पिता के नाम दर्ज मकान के नामांतरण के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज नियमानुसार जमा किए गए थे। इसके बावजूद करीब तीन महीने से उनके आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित कार्यवाहक लिपिक प्रेम चौधरी को तत्काल तलब किया। आवेदन की स्थिति पूछे जाने पर वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकीं। मामले में तीन महीने तक आवेदन लंबित रखने, जनसुनवाई में लापरवाही और उदासीनता दिखाने को गंभीर मानते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित लिपिक को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही, अनावश्यक देरी या नागरिकों के कार्यों में बाधा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के संरक्षक बनने पर राकेश तिवारी का किया सम्मान

श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के संरक्षक बनने पर राकेश तिवारी एडवोकेट का स्वागत करते हनुमान सभा के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद का संरक्षक बनने पर हनुमान सभा गली तिवारी ने शनिवार वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश तिवारी का सम्मान समारोह आयोजित किया। सभा के संरक्षक दाऊजी तिवारी और गोपीनाथ तिवारी ने पटका पहनाकर स्वागत किया। गिरधर पाठक ने भी अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में लाल शास्त्री ने कहा कि राकेश तिवारी का समाज की सर्वोच्च संस्था में संरक्षक के रूप में जिम्मेदारी दी है,ये पूरी सभा के लिए गर्व और सम्मान की बात है। संचालन करते हुए विजय तिवारी ने कहा कि राकेश तिवारी हनुमान सभा में विभिन्न जिम्मेदारियां निभा चुके हैं और वर्तमान में सभा के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था के उपाध्यक्ष का समाज की सर्वोच्च संस्था के संरक्षक पद पर मनोनीत होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। परिषद के संरक्षक राकेश तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, वह सभी का था, हमेशा रहूंगा। किसी भी पद से व्यक्ति बड़ा नहीं होता, बल्कि उसके कार्य उसे बड़ा बनाते हैं। इस अवसर पर बलदेव चतुर्वेदी, विनोद तिवारी, दाऊजी चतुर्वेदी, विपिन चतुर्वेदी, बालकिशन, नंदलाल चतुर्वेदी, गिरधर पाठक सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आराध्य के दर्शन को उमड़ा सैलाब बांके बिहारी मंदिर में छूटे पसीने

शनिवार को बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन को उमड़े श्रद्धालु।

मंदिर में उमस बनी परेशानी, श्रद्धालु होते रहे परेशान

आराध्य के दर्शन को श्रद्धालुओं ने किया इंतजार

यूनिक समय, वृंदावन। शनिवार को श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही विभिन्न राज्यों से हजारों भक्त ठाकुर श्री बांके बिहारी के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। मंदिर के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं और आसपास की गलियां भी श्रद्धालुओं से भरी नजर आईं।

भीड़ का दबाव बढ़ने के साथ ही पुलिस और प्रशासन को व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार, परिक्रमा मार्ग और आसपास की गलियों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई। श्रद्धालुओं को बैरिकेडिंग के माध्यम से दर्शन कराए गए, ताकि किसी प्रकार की भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। शनिवार होने के कारण बड़ी संख्या में परिवार, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा भक्त दर्शन के लिए पहुंचे। गर्मी और उमस के बावजूद भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। श्रद्धालु घंटों तक लाइन में खड़े रहकर अपने आराध्य के दर्शन करने का इंतजार करते रहे। भीड़ अधिक होने के कारण मंदिर के आसपास वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई और लोगों को पार्किंग से मंदिर तक पैदल पहुंचना पड़ा।

प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्वयंसेवकों और यातायात कर्मियों की सहायता ली। श्रद्धालुओं का कहना था कि बांके बिहारी जी के दर्शन के लिए घंटों का इंतजार भी उनके लिए सौभाग्य की बात है। राधे-राधे और बांके बिहारी लाल की जय के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

ई-रिक्शाओं की मनमानी से थमा वृंदावन, जाम में फंसे श्रद्धालु

बांकेबिहारी मंदिर मार्ग पर ई-रिक्शा की वजह से लगे जाम में फंसे वाहन।

बांके बिहारी और इस्कॉन मंदिर मार्ग सबसे अधिक प्रभावित

यातायात व्यवस्था रही बेअसर, घंटों जूझते रहे लोग

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में शनिवार को एक बार फिर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई रही। श्री बांके बिहारी मंदिर और इस्कॉन मंदिर के आसपास ई-रिक्शाओं की अव्यवस्थित आवाजाही के कारण दिनभर भीषण जाम लगा रहा। उमस भरी गर्मी के बीच श्रद्धालु, स्थानीय नागरिक और व्यापारी घंटों तक जाम में फंसे रहे, जबकि यातायात पुलिस व्यवस्था संभालने में बेबस नजर आई।

शनिवार होने के कारण दोनों प्रमुख मंदिरों के अलवा अन्य मंदिरों में दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचे। इसी दौरान बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक सवारी चढ़ाने और उतारने के लिए मुख्य मार्ग पर ही वाहन खड़े करते रहे। कई स्थानों पर एक साथ दर्जनों ई-रिक्शा रुक जाने से सड़क संकरी हो गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पैदल श्रद्धालुओं को भी आगे बढ़ने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जाम का सबसे अधिक असर बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग श्रद्धालुओं पर पड़ा। कई लोगों को मंदिर तक पहुंचने में सामान्य से कहीं अधिक समय लगा। आपातकालीन वाहनों को भी जाम के कारण रास्ता बनाने में कठिनाई हुई, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति की आशंका बनी रही। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बार-बार लगने वाले जाम से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होती है और कारोबार पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि समस्या का प्रमुख कारण ई-रिक्शाओं के लिए निर्धारित स्टैंड का अभाव, यातायात नियमों का पालन न होना और प्रभावी निगरानी की कमी है। उनका सुझाव है कि मंदिरों के आसपास ई-रिक्शाओं के लिए अलग पार्किंग और स्टैंड बनाए जाएं, मुख्य मार्ग पर वाहन रोकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और शनिवार और अन्य प्रमुख पर्वों पर अतिरिक्त यातायात पुलिस तैनात की जाए। साथ ही ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित स्थानों पर ही सवारी चढ़ाने-उतारने के लिए जागरूक किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित आवागमन मिल सके।